MPHIN/2021/83938

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 156 | ग्वालियर,15 फरवरी गुरुवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

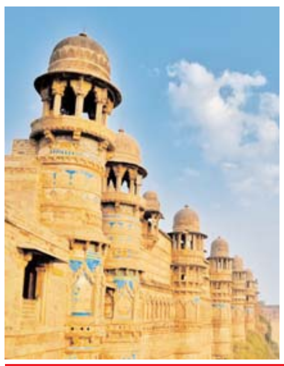

राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव

बीजेपी-कांग्रेस सहित सभी पार्टियों ने किसे बनाया उम्मीदवार

राज्यसभा में 15 राज्यों के 56 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है। इन सीटों के लिए चुनाव 27 फरवरी को होने हैं. हर पार्टी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है. ऐसे में सभी पार्टियां अपने उम्मीदवारों के नाम का एलान कर चुकी हैं। हालांकि, इसमें 15 फरवरी तक बदलाव होना तय है। यहां हम बता रहे हैं कि अब तक किन पार्टियों ने राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम का एलान किया है और चुनाव कैसे होंगे.बीजेपीराज्यसभा में सबसे ज्यादा सांसद भेजने की क्षमता वाली बीजेपी ने अधिकतर सीटों के लिए अपने उम्मीदवार जारी कर दिए हैं. इसमें उत्तर प्रदेश से सात उम्मीदवार हैं, जिनमें पूर्व कांग्रेस मंत्री आरपीएन सिंह, सुधांशु त्रिवेदी, चौधरी तेजवीर सिंह, साधना सिंह, अपमरपाल मौर्य, संगीता बलवंत, नवीन जैन शामिल हैं. इसके अलावा बिहार (भीम सिंह, धर्मशीला गुप्ता), छत्तीसगढ़

(राजा देवेंद्र प्रताप सिंह), हरियाणा (सुभाष बरला), कर्नाटक (नरायण कृष्णासा भांडगे), उत्तराखंड (महेंद्र भट्ट), पश्चिम बंगाल (शमिक भट्टाचार्य), गुजरात (जेपी नड्डा, गोविंदभाई ढोलकिया, मयनभाई नायक, जसवंत सिंह परमार), महाराष्ट्र (अशोक चव्हाण, मेधा कुलकर्ण, अजीत गोपछदे), ओडिशा (अश्विनी वैष्णव), मध्य प्रदेश (एल मुरुगन), राजस्थान (चुन्नीलाल ग्यारसिया, मदन राठौर) भी राज्यसभा सांसद के उम्मीदवारों का एलान किया गया है. हालांकि, भाजपा को अभी कई अन्य उम्मीदवारों के नाम का एलान करना है. कर्नाटक से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और उत्तराखंड से अनिल बलूनी को इस बार टिकट नहीं मिला है.

कांग्रेस कांग्रेस ने 4 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया है. राजस्थान से सोनिया गांधी, बिहार से अखिलेश प्रसाद, हिमाचल प्रदेश से अभिषेक मनु सिंघवी और महाराष्ट्र से चंद्रकांत हंदोर राज्यसभा जाएंगे.

तृणमूल कांग्रेस-तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए अपने चार उम्मीदवारों के नाम का एलान किया है. इसमें पत्रकार सागरिका घोष, नेता सुष्मिता देव, नदीमुल हक शामिल हैं.

दो दिन में मांगे नहीं मानी तो राकेश टिकैत भी देंगे धरना? किसान नेता ने केंद्र को चेताया, दी डेडलाइन

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार को चेताया है कि बिना समाधान और बातचीत के किसान वापस नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि हमारे लिए दिल्ली दूर नहीं है. हमारी 16 तारीख की कॉल है सरकार को 16 फरवरी तक का समय है की समाधान निकाल ले. भाकियू नेता ने कहा कि किसान बात करने को तैयार है. सरकार झूठ बोल रही है की किसान बातचीत को तैयार नहीं है. आज भी किसानो ने कहा है की हमसे बातचीत की जाए. उन्होंने दावा किया कि कोई किसान पत्थर नहीं मरता है पत्थर मारने वाले भी सरकार के ही आदमी है. किसान संयुक्त मोर्चा अभी इसका हिस्सा नहीं है लेकिन हम उनके साथ है अगर वह

चाहेंगे तो हम उनको समर्थन देंगे. यह आंदोलन किसानों का है. संयुक्त मोर्चा जो निर्णय लेगा हम उसी हिसाब से फैसला लेंगे.पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर **डटे किसान, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े**-बता दें सैकड़ों किसान बुधवार सुबह एक बार फिर अपना 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करने के लिए पंजाब-हरियाणा की दो सीमाओं पर डटे रहे. वहीं, अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे.पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत हरियाणा की सीमा पर अवरोधक हटाने का नए सिरे से प्रयास किया.

भीख मांगकर महीने का लाखों कमाती है इंदौर की इंदिरा बाई, बच्चों को भी लगाया है काम पर

इंदौर में भीख मांगने वाली महिला गिरफ्तार ढ्ढठ्ठस्त्रश्वह्द्ग ह्द्ग2ह्य- इंदौर की रहने वाली इंदिरा बाई महीने का 2 लाख रुपये कमाती हैं. इंदिरा बाई अपने साथ अपने बच्चों को भी इस बिजनेस में ले आई और धडल्ले से लाखों रूपया कमा रही हैं. इन्हें हर सात दिन में बीस तीस हजार रूपया मिल ही जाता है. जो इनकी बिना इन्वेस्टमेंट की कमाई है. आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा कौन सा स्टार्टअप है,

दिल्ली की अदालत ने शरजील इमाम की बेल पर फैसला रखा सुरक्षित, 17 फरवरी को आएगा आदेश

दिल्ली की एक अदालत ने देशद्रोह मामले में शरजील इमाम की जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. अदालत द्वारा 17 फरवरी को फैसला सुनाया जाएगा. दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले महीने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया था कि वह शरजील इमाम की जमानत याचिका पर फरवरी तक निस्तारण कर दे. शरजील को सांप्रदायिक दंगा मामले में गिरफ्तार किया गया था. दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने 2020 में शरजील के खिलाफ 22 के तहत केस दर्ज किया था. उसपर शुरुआत में देशद्रोह का केस दर्ज किया गया था लेकिन बाद गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 लगाई गई थी. वह जनवरी 2020 से हिरासत में है.शरजील ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी जिस पर इस आधार पर जमानत की मांग की थी कि उसने यूएपीए की धारा 13 के तहत निर्धारित अधिकतम सात साल की सजा का आधा हिस्सा पूरा कर लिया है. इस पर जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस मनोज जैन की खंडपीठ ने नियमित जमानत

के लिए इमाम की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि वैधानिक जमानत के लिए आवेदन पहले से ही ट्रायल कोर्ट में विचाराधीन है. कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा कि हम ट्रायल कोर्ट को सुनवाई की अगली तारीख से 10 दिनों के भीतर आवेदन पर निर्णय लेने और फैसला सुनाने का निर्देश देते हैं. कोर्ट ने साथ ही कहा था कि यदि जमानत से इनकार कर दिया जाता है, तो नई अपील दायर की जा सकती है.

शरजील ने अपनी अपील में कही यह बात-इस दौरान हाई कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा था कि शरजील के खिलाफ सिर्फ एक अपराध नहीं है बल्कि कई अपराध दर्ज हैं. इमाम ने अपनी अपील में कहा था कि उसने न्यायिक हिरासत में तीन साल और छह महीने बिताए हैं और इसलिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 436 ए के तहत वैधानिक जमानत का हकदार होना चाहिए. वहीं, दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा दिए गए समय के अनुसार ही निचली अदालत ने बुधवार को सुनवाई की और उसने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया.

बीजेपी ने महाराष्ट्र से राज्यसभा के उम्मीदवारों का किया एलान, अशोक चव्हाण समेत इन नेताओं का है नाम

महाराष्ट्र में बीजेपी ने राज्यसभा के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया है. बीजेपी ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को उम्मीदवार बनाया है. इसके साथ ही पार्टी ने मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है. कांग्रेस छोड़ने के एक दिन बाद चव्हाण मंगलवार को बीजेपी में शामिल हो गए थे. राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर अशोक चव्हाण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सभी का आभार व्यक्त किया है.

कौन हैं अशोक चव्हाण-अशोक चव्हाण महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरराव चव्हाण के बेटे हैं. वह महाराष्ट्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे, लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और 13 फरवरी 2024 को बीजेपी में शामिल हो गए. उन्होंने 8 दिसंबर 2008 से 9 नवंबर 2010 तक महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है. इसके अलावा, उन्होंने विलासराव देशमुख सरकार में सांस्कृतिक मामलों, उद्योग, खान और प्रोटोकॉल मंत्री के रूप में कार्य किया है और वह महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री भी हैं.अशोक चव्हाण और अजीत गोपछड़े दोनों नांदेड़ से नेता हैं. जब चव्हाण बीजेपी में शामिल हुए थे तभी ये कयास लगाये जा रहे थे कि अशोक चव्हाण को बीजेपी राज्यसभा भेजेगी. आज बीजेपी ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी.

कौन हैं मेघा कुलकर्णी-मेघा कुलकर्णी ने पुणे के कोथरुड विधानसभा क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा की पहली बार सदस्य के रूप में कार्य किया है. 2014 के चुनावों में, उन्होंने शिवसेना के चंद्रकांत मोकाटे के खिलाफ जीत हासिल की थी. विशेष रूप से, वह पुणे से महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी का प्रतिनिधित्व करने वाली दो महिला सदस्यों में से एक हैं.

कौन हैं डॉ. अजीत गोपछड़े-डॉ. अजीत गोपछड़े भारतीय राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति हैं. वह बीजेपी से जुड़े हैं

बसंत पंचमी पर माघ मेला क्षेत्र बना पाठशाला, टीचर और ट्रेनर की भूमिका में नजर आई प्रयागराज पुलिस

माघ मेले) में बसंत पंचमी के मौके पर आज श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा. खराब मौसम के बावजूद संगम समेत दूसरे घाट ब्रह्म मुहूर्त पर श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई. बसंत पंचमी पर विद्या और ज्ञान की देवी सरस्वती की आराधना की जाती है. इस खास मौके पर माघ मेला क्षेत्र कई राज्यों की पुलिस, यूनिवर्सिटीज और मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के लिए पाठशाला बन गया. लाखों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यूपी पुलिस का कुशल मैनेजमेंट करीब से जानने का मौका मिला.

माघ मेला क्षेत्र बना पाठशाला-राजस्थान, झारखंड, मध्य प्रदेश और हरियाणा समेत देश के तकरीबन आधा दर्जन राज्यों की पुलिस के जवान पिछले दो दिनों से मेला क्षेत्र में डटे हुए हैं. कम्युनिटी पुलिसिंग की अवधारणा को सीखा. दूसरे राज्यों के पुलिस जवानों ने पहले डिजिटल प्रेजेंटेशन के जरिए यूपी पुलिस का कुशल मैनेजमेंट समझा. संगम समेत दूसरे घाटों, रास्तों, पांटून पुलों के साथ प्रवेश और निकास द्वारों पर किए जाने वाले इंतजामों को देखा. राज्यों की पुलिस टीम को बताया गया कि माघ मेला क्षेत्र में ड्यूटी करने वाले यूपी पुलिस बिना डंडे और अस्त्र शस्त्र के भीड़ को नियंत्रित करती है.

यूपी पुलिस का दिखा मैनेजमेंट-पुलिस कानून व्यवस्था का पालन कराते हुए श्रद्धालुओं के जान माल की सुरक्षा करती है. सेवाभाव से श्रद्धालुओं का मित्र बनकर मदद भी करती है. तमाम श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं. इसलिए पानी में भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के इंतजाम करने पड़ते हैं. इस बार गहरे जल में भी डायल 112 की इमरजेंसी सेवाएं मुहैया कराई गई हैं. पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने दूसरे राज्यों की पुलिस टीम को बताया कि लाखों की भीड़ को नियंत्रित करना, सकुशल स्नान कराकर घरों को वापस भेजना, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना अत्यंत चुनौती भरा काम होता है.

कांग्रेस ने कमलनाथ को नहीं दिया राज्यसभा का टिकट, इस नेता को बनाया उम्मीदवार

कांग्रेस ने कमलनाथ को नहीं दिया राज्यसभा का टिकट, इस नेता को बनाया उम्मीदवार

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश से कलमनाथ को राज्यसभा का टिकट नहीं दिया है. पार्टी ने अशोक सिंह को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है. अशोक सिंह मध्य प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैं. वह ग्वालियर के रहने वाले हैं और ओबीसी समाज से आते हैं. अशोक सिंह यादव समाज से आते हैं साथ ही वह पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कलमनाथ के करीबी हैं. राज्यसभा का चुनाव 27 फरवरी को होने वाला है.मध्य प्रदेश से पांच राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है. इनमें केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एल मुरुगन समेत चार बीजेपी के हैं जबकि एक कांग्रेस के हैं. कांग्रेस से राजमणि पटेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है.दसअसल, कमलनाथ राज्यसभा जाना चाहते थे. उन्होंने अपने आवास पर विधायकों को डिनर के लिए भी बुलाया था लेकिन पार्टी आलाकमान ने

कमलनाथ के नाम पर मुहर नहीं लगाई. कमलनाथ अपने गढ़ छिंदवाड़ा से विधायक हैं, राज्य में छह साल बिताने के बाद राष्ट्रीय राजनीति में लौटने के थे. उन्होंने 2018 में विधानसभा चुनाव से लगभग छह महीने पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था. 2018 में 15 साल के अंतराल के बाद कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने में सफल रहे. हालांकि, गुटबाजी के कारण इकाई के भीतर संकट पैदा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप 15 महीने के भीतर उनकी सरकार गिर गई. कांग्रेस 2022 में मध्य प्रदेश की 16 मेयर सीटों में से पांच जीतने में कामयाब रही, जिसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गढ़ ग्वालियर भी शामिल है.

इन नामों की थी चर्चा-पहले भी खबर थी कि पार्टी आलाकमान किसी ओबीसी या दलित उम्मीदवार को नामित कर सकता है और अशोक सिंह के नाम का एलान करने के बाद इसकी पुष्टि भी हो गई. कमलनाथ के अलावा मीनाक्षी नटराजन, अरुण यादव, अजय सिंह राहुल भैया, कमलेश्वर पटेल को लेकर भी अटकलें चल रही थी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ राहुल गांधी उत्तर प्रदेश पहुंच रहे हैं.

कांग्रेस सांसद वाराणसी भी जाएंगे. वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे. काशी विश्वनाथ मंदिर आदिवासी युवक की पिटाई पर जीतू पटवारी ने एमपी सरकार को घेरा, बोले- ने वंचित वर्ग की प्रताड़ना का ठेका... आदिवासी युवक की पिटाई को लेकर जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है. इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को गृहमंत्री पद से इस्तीफा देने की सलाह दी है.

बैतूल में आदिवासी युवक की पिटाई के वायरल वीडियो को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी को घेरा है. जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को गृहमंत्री पद से इस्तीफा देने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने वंचित वर्ग की प्रताड़ना का ठेका ले रखा है. जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बैतूल में फिर आदिवासी युवक की पिटाई, पूरे कपड़े उतारकर पहले तो छत से उल्टा लटकाया, फिर बेल्ट-डंडों से जमकर पीटा.

सीएम मोहन यादव यह एक घटना ही गृहमंत्री के रूप में आपके इस्तीफा के लिए पर्याप्त है. जंगलराज से आगे निकलने की जंग लड़ते अपराधी खुलेआम कानून को धूल चटा रहे हैं. लेकिन आप बिल्कुल खामोश है.

आदिवासी ही निशाने पर क्योंड

जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार से सवाल करते हुए लिखा कि आखिर आदिवासी ही निशाने पर क्यों हैड आदिवासी समाज से क्या आपकी व्यक्तिगत राजनीतिक दुश्मनी हैड या फिर बीजेपी ने वंचित वर्ग की प्रताड़ना का ठेका ले लिया हैड सुनियोजित अपराध मध्य प्रदेश की पहचान बनते जा रहा हैं और इन्हें नियंत्रित नहीं करने के रूप में आप असफल

मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाते जा रहे हैं. या तो गृहमंत्री का पद छोड़ दें या किसी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदारी दे दें, जो बेलगाम अपराध और बर्बर अपराधियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित कर सके.

युवक की पिटाई का वीडियो हो रहा है वायरलबता दें कि बैतूल जिले के ग्राम बांसपानी निवासी आदिवासी समाज के युवक के कपड़े उतारकर बेरहमी से उल्टा लटकाकर पीटने का मामला सामने आया है. मारपीट की घटना 15 नवंबर 2023 की है, जिसका वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इस वीडियो में आदिवासी युवक से हैवानियत, लात घूसों से पिटाई, मुर्गा भी बनाया गया. इस मामले में अब पुलिस ने मामला दर्ज किया है.में दर्शन पूजन करने का भी कार्यक्रम निर्धारित है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार काशी में भारत जोडो न्याय यात्रा के दौरान भाई का साथ देने बहन प्रियंका गांधी आएंगी. राहुल और प्रियंका गांधी के वाराणसी आने की सूचना कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है.

17 फरवरी को वाराणसी में राहुल और प्रियंका-आगामी 17 फरवरी को राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का काफिला लेकर चंदौली से वाराणसी पहुंचेंगे. कांग्रेस कार्यकर्ता वाराणसी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जोरदार स्वागत करेंगे. राहुल गांधी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कर बाबा का आशीर्वाद लेंगे. कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि राहुल गांधी की शुरू की गई भारत जोड़ो न्याय यात्रा वाराणसी पहुंच रही है. वाराणसी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की साथी प्रियंका गांधी भी बनेंगे

अबैध शराब की विक्री करते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 40 हजार रुपये की 08 पेटी देशी शराब जप्त

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव व एएसपी संजीव पाठक के निर्देशन में एवं उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय संजय कोच्छा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा को दिनांक 13/02/2024 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना ऊमरी क्षेत्र के सींगपुरा गाँव के हार में एक व्यक्ति अपने खेत पर बने मकान के बगल से अबैध शराब ईटों के ढेर के पास छिपाकर विक्रय करने के लिये रखे है,मुखबिर की सूचना पर से सींगपुरा के हार में खेत पर बने मकान के पास पहुचे जहाँ पुलिस को देख कर ईटों के पास से एक

व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा जिसे हमराह फोर्स की मदद से घेरकर पकडा एवं जिसके कब्जे से 08 पैटी देशी शराब प्रत्येक पेटी में 50- 50 क्वार्टर कुल 400 क्वार्टर रखे मिले आरोपी से शराब रखने व बेचने का लायसेंस चाहा गया तो उसके द्वारा मौके पर कोई लाइसेस नहीं होना बताया आरोपी का यह कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से मौके से आरोपी के कब्जे से अवैध शराब कुल 72 लीटर कीमती 40,000 रुपये को विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना ऊमरी पर आरोपी के विरुद्ध अपक्र.32/24 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया गिरफ्तार शुदा आरोपी के विरुद्ध पूर्व से अबैध शराब रखने तथा विक्रय करने के 03 अपराध पंजीबद्ध है।

उक्त उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा,एसआई मलखान सिंह,प्रधान आरक्षक आशीष तिबारी,राजवीर सिंह,मयंक दुबे,सतेन्द्र यादव,आरक्षक रविन्द्र उपाध्याय,रिंकू सिंह,प्रताप रजक,विमल सिंह भदौरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर ने की राजस्व महाअभियान की समीक्षा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 14 फरवरी को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व महाअभियान की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम श्री भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर सूश्री पूर्वा मण्डलोई, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री खुमानसिंह चौहान एवं तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में राजस्व महाअभियान के अंतर्गत समग्र आईडी से खसरे की ई-केवाईसी की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में इसकी प्रगति बहत ही कम है और अब तक मात्र 51 हजार खसरे की ई-केवाईसी

हुई है। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस स्थिति पर कडी नाराजगी जाहिर की और समय सीमा में ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने ग्राम पंचायत के सचिव एवं मोबिलाईजर का सहयोग लेने के निर्देश दिए। आरसीएमएस पोर्टल पर सनावद एवं महेश्वर तहसील के प्रकरणों के निराकरण का प्रतिशत कम होने पर नाराजगी जाहिर की गई।कलेक्टर श्री शर्मा ने बैठक में सख्त चेतावनी दी कि नामांतरण एवं बटवारा के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित नायब तहसीलदार पर कडी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया किया कि अपने कोर्ट के 06 से 08 माह पुराने प्रकरणों की समीक्षा करें और रीडर की लापरवाही के कारण प्रकरण लंबित है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय भेजे। ई-नक्शा सुधार में झिरन्या तहसील की प्रगति कम पाये जाने पर वहां के तहसीलदार को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में फसल गिरदावरी का कार्य अगले 04 से 05 दिनों में हर हाल में पूर्ण करे

जयकारों के बीच मंदिर के शिखर पर चढ़ाई ध्वजा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी समाज ट्रस्ट कर्नाटक बलेपेट वढेर के शिखर पर बुधवार सुबह वार्षिक धव्जा चढ़ाई गई। वार्षिक ध्वजा के लाभार्थी पेमाराम गेहलोत, लक्ष्मणराम गेहलोत, धनराज लचेटा, लाबुराम बर्फा ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर गाजे -बाजे जयकारें व मंत्रोच्चारण के साथ ध्वजा चढ़ाई गई। इस अवसर पर बलेपेट वडेर के अध्यक्ष हरीराम गेहलोत, सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत एवं समस्त कार्यकारिणी एवं सेवा संघ, सांस्कृतिक कमेंटी, महिला मंडल, गेर मंडल एवम बलेपेट बडेर के पूर्व अध्यक्ष हेमराज पंवार, नारायणलाल गेहलोत,झालाराम देवड़ा , एस-एच आर लेआउट वडेर के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद थे

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने की स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा तय

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में 13 फरवरी को नवीन कलेक्ट्रेट भवन के सभाग्रह में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्नन स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सिसोदिया, सिविल सर्जन डॉ. अमरसिंह चौहान, समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, बी.ई.ई., बी.पी.एम., बी.सी.एम., बी.ए.एम. एवं समस्त नोडल अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि समिति की 29 नवंबर 2023 की पिछली बैठक में दिऐ गये निर्देशानुसार समस्त प्रा. स्वा. केन्द्रो को डिलेवरी पांईट में क्रियाशील करने कहा गया था लेकिन उनके अब तक क्रियाशील नही होंने पर डॉ. कौशल जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं समस्त बी.एम.ओ. को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिऐ गये।मेटरनल हेल्थ की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में ए.एन.सी. रजिस्टेशन का काम संतोषजनक नहीं है। इस पर कलेक्टर द्वारा काफी नाराजगी जाहिर की गई और उपस्थित विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वे महिला बाल विकास परियोजना अधिकारियों से समन्वय कर 100 प्रतिशत ए.एन.सी. रजिस्टेशन कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए विकासखण्ड स्तर पर आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता दोनों की संयुक्त बैठक आयोजित करने कहा गया ।राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण .कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला नोडल अधिकारी डॉ. हर्ष महाजन के कार्य की प्रशंसा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले में 250 निश्चय मित्र है और 3800 टी.बी. मरीज है। सभी टी.बी.के मरीजों को निश्चय मित्र बनाने की प्लानिंग करने कहा गया है

पुलवामा के वीर अमर शहीदों को सैनिको,प्रशासनिक अधिकारी एवं आमजन ने श्रद्धांजलि अर्पित की

पावई माता मंदिर से शहीद स्मारक भिंड तक निकाली गई शौर्य यात्रा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पावई माता मंदिर से भिंड शहीद स्मारक तक पुलवामा के वीर शहीदों की याद में भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई मंदिर प्रांगण में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई ।इस अवसर पर अवसर पर रिटायर्ड कर्नल भारत सिंह यादव और भूतपूर्व सैनिकों के अलावा प्रशासन की तरफ से जिला पंचायत सीईओ मनोज कुमार सरियाम तथा पुलवामा हमले के साक्षी रहे कांस्टेबल राकेश सिंह उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा को जिला पंचायत सीईओ मनोज कुमार,पूर्णेश्वर जन कल्याण समिति के दिनेश बौद्ध ,समाजसेवी सुनील फौजी,सूबेदार मेजर सुरेश कुमार तोमर,सूबेदार मेजर राकेश सिंह कुशवाह,जयदीप सिंह फौजी,महेश करारिया ने संबोधित किया समाजसेवी सुनील फौजी ने श्रद्धांजलि सभा में

संबोधित करते हुए बताया पिछले कुछ सालों से से देखने में आ रहा है,हमारे समाज में देशभक्ति की भावना में गिरावट आ रही है। उन्होंने इस अवसर पर पुलवामा अमर शहीदों के अलावा छत्तीसगढ़ के शहीद पवन भदौरिया का भी फोटो श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया था । श्रद्धांजलि देने के बाद पावई से शौर्य यात्रा भिंड के अटेर रोड परेड चौराहा सुभाष चौराहा होते हुए शहीद स्मारक सर्किट हाउस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर शौर्य यात्रा का समापन किया गया दिनेश बौद्ध ने बताया कि इस अवसर पर प्रशासन का पूरी तरह सहयोग रहा इस अवसर पर सूबेदार मेजर शिव बहादुर भदोरिया,कैप्टन राधेश्याम दंडोतिया,रिटायर्ड सीआरपीएफ के सर्विंग जवान मेघ सिंह बृजेश अटरिया,कल्याण सिंह,दिलीप सिंह आदि जवानों सहित,रघुराज जामोर,रॉकी तोमर,शुभम पचौरी,अरविंद शर्मा पत्रकार,वीरेंद्र वर्मा,आकाश पवैया, नकुल गुर्जर सहित सैक?ों नागरिक उपस्थित रहे।

मातृ देवो भव, पितृ देवो भवज के नारों से गूंज उठा- गंगम्मा मंदिर, जलाहल्ली

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु। जहाँ 14 फरवरी को भारत एवं पूरे विश्व में वेलेंटाइन डे के रूप में मनाया जाता था, वहीं कुछ वर्षो से अब वह मातृ- पितृ पूजन दिवस के रूप में भारत सहित पूरे विश्व पटल पर छाया हुआ है। पूरे देश एवं विदेशों में भी मातृ- पितृ पूजन दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। विश्व मानव के उज्जवल भविष्य के लिए किये इसी स्वर्णिम संकल्प को फैलाने हेतु संत आशारामजी आश्रम, बेंगलुरु द्वारा शहर के विभिन्न स्कूलों व अन्य सामाजिक स्थलों में मातृ- पितृ पूजन दिवस% का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 70 से अधिक स्कूलों में आयोजन हो चूका है (इनकी झलकियाँ आश्रम के वेबसाइट में देख सकते है) व इसी श्रृंखला को आगे बढाते हुए- 11 फरवरी (रविवार) को गंगम्मा मंदिर, जलाहल्ली में मातृ- पितृ पूजन दिवस का भव्य आयोजन हुआ । वहां कार्यक्रम में भाग लेने हेतु उत्तर बेंगलुरु के सैकडों स्थानीय लोग मंदिर में पहुंचे। जिसमें कई धार्मिक संगठन वाले एवं

अन्य कई गणमान्य लोग भी शामिल थे। उन्होंने अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हुए कहा कि- ÷निश्चित ही हमारे कोई पुण्य उदय हुए है, जिसके फलस्वरूप हमे ऐसे दिव्य आयोजन में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्व मांगल्य व उत्तम स्वास्थ्य प्राप्ति हेतु हुए महामृत्युंजय मंत्र के हवन के बाद, पंडितजी ने ÷मातृ- पितृ पूजन दिवस÷ कार्यक्रम की आवश्यकता व महत्ता बताई। उसके बाद विधिपूर्वक मन्त्रोचार से पूजन प्रारंभ हुआ। बच्चों ने अक्षत, कुमकुम व पुष्पों से पूजन किया एवं प्रदक्षिणा की तो माता- पिता ने भी बच्चों के सिर पर आशीर्वाद भरा हाथ रखा एवं उन्हें खूब स्नेह किया अपनी संतान को अपने सामने पूजा करते देख माता- पिता भाव विभोर हो गये और स्नेह से भरकर बच्चों को गले लगाया तो वे भी द्रवीभूत हो गये। इस दिव्य एवं अनुपम दृष्य को देखकर वहां मौजूद सभी लोगों की आँखें भर आयी और उन्होंने संत आशारामजी बापू को कोटि- कोटि प्रणाम किया एवं साधुवाद देते हुए कहा कि- धन्य हैं बापूजी जिन्होंने विश्व को ऐसा अनुपम उपहार दिया और यह इस देश का दुर्भाग्य है की करोड़ों लोगों का मंगल करने वाले एक निर्दोष संत को पिछले 11 वर्षों से बिना किसी अपराध के जेल में रखा हुआ है। आश्रम द्वारा बताया गया कि- 17 वर्ष पहले संत आशारामजी बापू ने वेलेंटाइन डे के दुष्प्रभावों को देखकर 14 फरवरी को मातृ- पितृ पूजन दिवस प्रारम्भ करवाया और आज यह दिन भारत के साथ विदेशों में भी करोड़ों लोगों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है।

शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री लाखन सिंह यादव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भितरवार। पूर्व कैबिनेट मंत्री लाखन सिंह यादव ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के घाटीगांव और भितरवार क्षेत्र में भ्रमण किया इस दौरान उन्होंने कई गांवों में जाकर लोगों से मुलाकात की।बुधवार को पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव ने झाऊ,बनवार,नगर भितरवार में शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे और दिवंगत जनों को श्रृद्धांजलि अर्पित की और अपनी शोक संवेदना व्यक्त की इस मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष मन्नू यादव, सरपंच रामवली कमरिया,सुरेन्द्र सिंह,दौलत सिंह कुशवाह सरदार विक्रम सिंह, सतवीर सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुस्तक का विमोचन कर शहर का गौरव बढाया,वरिष्ठ साहित्यकार कि दिल्ली में हुई तारीफ

पुष्पांजली टुडे

दमोह। जिले के वरिष्ठ साहित्यकार ठाकुर नन्हे सिंह लोधी ने दमोह नगर सहित जिले का गौरव बढ़ाया है। नन्हें सिंह जिले के वरिष्ठ शिक्षाविद साहित्यकार और कवि हैं उनकी कई पुस्तकों का प्रकाशन अब तक हो चुका है उन्ही में से चार चुनी हुई पुस्तक मेरा बचपन मेरा गांव इशारों ही इशारों में घटा सावन की और लहजे बदल रहे हैं पुस्तकों का चयन इस बार अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चयन किया गया है जहां यह पुस्तक रखी गई है इन पुस्तकों को पढ़कर साहित्यकार खूब आनंद उठा रहे हैं और पुस्तकों को अपने साथ ले भी जा रहे हैं उनकी इस कामयाबी पर जिले के साहित्यकारों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है इस अवसर पर बधाई देने वालों में जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा साहित्यकार,दिनेश प्यासी शिक्षक,राकेश उपाध्याय साहित्यकार,डॉ प्रेमलता नीलम,आशीष तंतुवाय, मनीष भट्ट वीरेन्द्र ठाकुर, आशीष चौरसिया, संजू चौरसिया आदि ने बधाई दी।

नगर में कलश यात्रा का आयोजन आज, 16 फरवरी से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। नगर के प्रसिद्ध कालिका माता मंदिर वार्ड क्रमांक 16 वसारा में 16 फरवरी से 23 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए भव्य व पूर्ण तैयारी जोरो से चल रही हैं प्रशासन के आला अधिकारी कलेक्टर, एसडीएम व पुलिस के आला अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीयों ने कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने में लगे हुए हैं। इसी के अंतर्गत 15 फरवरी को नगर के प्रसिद्ध गायत्री मंदिर शासकीय अस्पताल के पास से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें 251 कलश के साथ- साथ पांच हजार से अधिक महिलाएं व पुरुष भाग लेंगे। प्रशासन के द्वारा कलश यात्रा के रूट को लेकर चक चौबंद व्यवस्थाएं की गई हैं। वहीं कलश

यात्रा गायत्री शक्तिपीठ से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए सदर बाजार, इटाईली गेट, नया बस स्टैंड, गंज बाजार, गोलंबर तिराहा होते हुए कथा स्थल वसारा पहुंचेगी। जहां कथा का शुभारंभ कथा व्यास आचार्य पंडित संतोष शास्त्री वृन्दावन धाम के मुखारविंद से किया जाएगा। जिसका समय दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक रहेगा। कथा सुनने के लिए लगभग 20 से 25 हजार भक्तों के प्रतिदिन पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। कथा के मध्य 20 फरवरी को प्रसिद्ध भजन गायक लखवीर सिंह लक्खा द्वारा शाम 6 से 10 बजे तक भजन संध्या के कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा। 23 फरवरी को पूर्ण आहुति के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन राजा भैया गुर्जर द्वारा कराया जा रहा है।

बसंत पंचमी व मातृ-पितृ पूजन तथा पुलवामा शहादत दिवस पर विविध कार्यक्रम का हुआ आयोजन

त्रिलोकी तिवारी जिला गरियाबंद ब्योरो चीफ पुष्पांजलि

शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला उसरीजोर में बसंत पंचमी एवं मातृ-पितृ दिवस और पुलवामा शहादत दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम का अयोजन शालेय परिवार द्वारा किया गया। सर्वप्रथम पूर्व माध्य एवं प्राथ शाला के प्रधान पाठकों श्री कमलेश जोशी, श्री तेज कुमार सिन्हा एवं अन्य द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर दीप,अगरबत्ती एवं अक्षत, तिलक पुष्प चडाकर कार्यक्रम का शूभ आरंभ किया । कु. मालती यादव, एवं कु. सविता यादव द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत तथा पुलवामा हमला पर शहीद हुए जवानों की याद में देश भक्ति गीत और कविता का दौर से वातावरण देशभक्ति मय हो गया। जिसके पश्चात उपस्थित माता पिता का बच्चों के द्वारा पूजा करके, तिलक लगाकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। माता पिता ने पहली बार गौरांवित

अनुभव किया।सरपंच श्री टीकम सिंह नागेश ग्राम पंचायत उसरीजोर और शाला प्रबधन समिति अध्यक्ष श्री मायाराम बाघ तथा श्री चौहान सिंह भाटी ने छात्रों की उपलब्धियों पर माता पिता को श्रेय देते हुए शुभ कामनाएं दी है। ज़िला समन्वयक ईको क्लब गरियाबंद श्री कमल किशोर ताम्रकार ने कहा कि वसंत पंचमी, मां सरस्वती जयंती पर प्रकृति में परिर्वतन देखने को मिलता है। मां सरस्वती की पूजा बसंत पंचमी पर क्योंड, माता पिता के पूजन का महत्व और पुलवामा हमला शहादत पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान प्रस्तुत किए। पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चों द्वारा शिक्षा प्रद नाटक नशामुक्ति एवं नारी शिक्षा, तथा पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रस्तुत किया गया। जिसमे श्रीमति सविता जेठे शिक्षिका का सराहनीय योगदान रहा है।उपस्थित ग्रामीणों द्वारा आनंद के साथ भूरी भूरी प्रशंसा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को विद्यालय परिवार की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पालक, स्व सहायता समूह और शाला प्रबंध समिति ने सदस्य उपस्थित थे। बच्चों एवं उपस्थित ग्रामीणों को प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

लोकसभा निर्वाचन 2024मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

सक्ती, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट कक्ष में आगामी लोकसभा निर्वाचन से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 अर्हता तिथि 1 जनवरी 2024 कार्यक्रम के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस ली गयी। बैठक में कलेक्टर द्वारा बताया गया कि एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 6 जनवरी 2024 को और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन गुरूवार 8 फरवरी 2024 को किया गया है बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बताया कि वर्तमान में अंतिम प्रकाशन में कुल 620458 (पुरूष- 311842, महिला-308616) मतदाता पंजीकृत हैं। बैठक में कलेक्टर ने सभी राजनैतिक पदाधिकारियों को 14 फरवरी 2024 बुधवार को सुबह 10 बजे कृषि उपज मंडी परिसर सक्ती के एफएलसी हॉल में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

महिलाओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका-शिवानी जैन एडवोकेट

ऑल ह्यूमन सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि सरोजिनी नायडू जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया। देश की आजादी और महिलाओं की अधिकारिता के लिए संघर्ष किया। आज़ादी के बाद सरोजिनी नायडू को पहली महिला राज्यपाल बनने का भी मौका मिला। उनके कार्यों और महिला अधिकारों के लिए उनकी भूमिका को देखते हुए सरोजिनी नायडू के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।थिंक मानवाधिकार संगठन एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 13 फरवरी को सरोजिनी नायडू की जयंती के रूप में मनाया जाता है। सरोजिनी नायडू भारत की प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी एवं कवियत्री हैं। इन्हें भारत कोकिला यानी नाइटिंगेल ऑफ इंडिया भी कहा जाता है। इतनी ही नहीं वह आजाद भारत की पहली महिला गवर्नर भी रही हैं। ब्रिटिश सरकार के देश के खिलाफ आजादी के लिए चले स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। वह हर महिला के लिए प्रेरणा है।मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक डॉ एच सी विपिन कुमार जैन, संरक्षक डॉ एच सी राजेंद्र कुमार जैन, आलोक मित्तल एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट, डॉ नरेंद्र चौधरी , एडवोकेट बीना जी, एडवोकेट मीरा जी आदि ने कहा कि महिलाएं हमारे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की आधार होती हैं, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपने पूरे साहस और समर्पण के साथ अपना योगदान देती हैं। वे बेटियों की शिक्षा, परिवार का प्रबंधन, और उनके उद्योगों में सक्रियता के माध्यम से समाज को प्रेरित करती हैं।

रीवा विकासखंड के दोनों वीईओ ने किया अलग-अलग परीक्षा केंद्र का सघन निरीक्षण

वीईओ के दोनों पैनल रहे सक्रिय, नहीं मिले कोई नकलची

रीवा(पुष्पांजली टुडे)। हाईस्कूल के गणित विषय की परीक्षा में आज रीवा विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.एल दीपांकर एवं नवागत बीईओ आकांक्षा सोनी ने विकासखंड के अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। मिली जानकारी के अनुसार आर एल दीपांकर ने अपने दल के साथ परीक्षा केंद्र शाउमावि क्रमांक-1, दीप ज्योति विद्यालय एवं फोमेन्स विद्यालय का निरीक्षण किया। तो वही नवागत बीईओ ने शाउमावि कन्या एस के स्कूल का निरीक्षण किया।वही वीईओ द्वारा गठित दल क्रमांक-2 ने सरस्वती उमावि नेहरू नगर तथा एस.के स्कूल का निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों द्वारा दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित पाई गई। बीईओ द्वारा गठित निरीक्षण दल में प्रमुख रूप से संजय द्विवेदी, शिवेंद्र पांडेय एवं धर्मेंद्र मिश्रा शामिल रहे।

मौसम की मार: रीवा में पड़े ओले, फसलों का हुआ काफी नुकसान

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
कम होती सर्दी के बीच जिले के आसपास के गांव में सोमवार की रात से मौसम एक बार फिर बदल गया। जिले के वॉर्ड चोरहटा, माहिदल, उमरी, अगडाल,बाबूपुर रघुनाथपुर , खैरा, कपूरी आदि कई जगह ओले पड़े, जिससे दलहन, गेंहू और तिलहन की फसलों को भारी क्षति हुई। जिले में सोमवार रात बारिश के साथ ओले आफत बनकर बरसे। मंगलवार की सुबह जब किसान खेतों पर पहुंचे तो फसलें ओलों से पटी मिलीं, कहीं-कहीं पर तो ओलों की चादर सी बिछी हुई थी। खेतों का हाल देख किसान सिर पकड़कर वहीं बैठ गए।जिले में कई गांवों की 500 बीघे से अधिक की चना, गेहूं, सरसों, मसूर, मटर, अरहर की फसल बर्बाद हो गई। वहीं शहर के आस पास के गांव में भी बड़े पैमाने पर ओलावृष्टि हुई, जिससे बीस फीसदी फसल नष्ट होने का अनुमान है।ओलों की मार से सरसों के फूल भी झड़ गए। सबसे अधिक नुकसान हवाई अड्डे के क्षेत्र के आस पास के गांवों में फसलों को हुआ है। रात तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश और कई स्थानों पर ओले गिरने से गेहूं की फसल खेत में ही बिछ जाने से किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया। किसान बर्बाद फसलों का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग कर रहे हैं।

लोकायुक्त रीवा की ट्रैप कार्यवाही

पुष्पांजली टुडे
नाम आवेदक श्री धानेंद्र सिंह भदौरिया निवासी नेहरू नगर रीवा

आरोपी - अजय कुमार पटेल
पद - पटवारी पटवारी हल्का तितिरा शुक्लान तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी
ट्रेप रिश्वत राशि -20000 रुपये
घटना स्थल - मेन रोड बस स्टैंड तिराहा सीधी
कार्य का विवरण- शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि उसकी क्रय सुदा जमीन का बटवारा बटवारा एवं नक्शा तरमीम करने के एवज मे अजय पटेल पटवारी द्वारा 20000/- रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है शिकायत का

सत्यापन पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल सिंह धाकड़ द्वारा कराया

गया सत्यापन पर आरोपी अजय पटेल द्वारा शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग करना पाया गया , जिस पर ट्रेप कार्यवाही आयोजित कर आज दिनांक 14.02.2024 को आरोपी को ?20000 रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया
ट्रेपकर्ता अधिकारी श्री प्रवीण सिंह परिहार, उप पुलिस अधीक्षक
ट्रेप दल के सदस्य - श्री प्रवीण सिंह परिहार उप पुलिस अधीक्षक, श्री जियाउल हक निरीक्षक, सहित 12 सदस्यीय टीम कार्यवाही जारी है

अब तक 3 लाख 24 हजार 816 व्यक्तियों को खिलाई गयी फाइलेरिया की दवा

रीवा।जिले के तीन विकासखण्डों, सिरमौर, जवा तथा त्योंथर में फाइलेरिया रोग के नियंत्रण के लिए दवा खिलाने का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दो साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को तीन दवाएं खिलाई जा रही हैं। इन तीन विकासखण्डों में 10 फरवरी से शुरू अभियान में अब तक 3 लाख 24 हजार 816 व्यक्तियों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जा चुकी है। इस संबंध में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक, आंगनवाडी केन्द्रों तथा स्कूलों में जाकर दवा खिला रहे हैं। अभियान के दौरान ग्राम हिनौता, शाहपुर, झलवार, करमई, हरदुआ, पल्हान, खैरहन और जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में अभियान का जायजा लिया गया। दवा खिलाने के अभियान की जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर से लगातार मानीटरिंग की जा रही है। अभियान 23 फरवरी तक जारी रहेगा। अब घर-घर जाकर दवा खिलाई जा रही है।

कमिश्नर ने की कैंसर शिविर से लाभ उठाने की अपील

रीवा(पुष्पांजली टुडे)
।कैंसर रोग की जांच तथा उपचार के लिए 24 एवं 25 फरवरी को रीवा में तथा 26 फरवरी को शहडोल में शिविर लगाया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन इंदौर के कैंसर फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। रीवा तथा शहडोल संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की है। कमिश्नर ने कहा है कि उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल जी की विशेष पहल पर कैंसर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में मुख्य रूप से स्तन कैंसर तथा मुख कैंसर की जांच एवं उपचार निःशुल्क किया जायेगा। इंदौर के कैंसर फाउंडेशन के डॉ. दिगपाल धारकर एवं उनके सहयोगी डॉक्टरों की टीम रोगियों की जांच करेगी। सभी जिलों में शासकीय अस्पतलों में कैंसर रोगियों को चिन्हित करने के लिए 17 फरवरी तक शिविर लगाये जा रहे हैं। यदि किसी में भी कैंसर के लक्षण दिखायी दे रहे हैं तो वह बिना किसी भय के इन शिविरों में अपनी जांच अवश्य करायें। समय पर कैंसर की पहचान हो जाने पर इसका पूरी तरह से इलाज संभव है। कैंसर की पहचान में देरी होने पर इसका पूरी तरह से उपचार होना कठिन होता है। इस लिए यदि किसी को मुख कैंसर अथवा स्तन कैंसर की आशंका है तो वह इन शिविरों में अपनी जांच अवश्य करायें।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में ओला पीडितों को 148 करोड रुपये की राहत राशि स्वीकृत - राजस्व मंत्री श्री वर्मा

समय- समय पर राहत राशि में यथोचित वृद्धि कर किसानों को प्रदान किया जा रहा है संबल

रीवा। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने विधानसभा में ओला पाला से किसानों को हुई क्षति के आंकलन और सरकार द्वारा किए जा रहे राहत प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी।राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि विगत मार्च -अप्रैल 2023 में हुई ओलावृष्टि को शामिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 में ओला पीडितों को 148 करोड रुपये की राहत राशि स्वीकृत कर वितरित की गयी है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में पाला से फसल क्षति में जिला ग्वालियर, रतलाम, रीवा, मैहर, शहडोल, सीधी में राशि रूपये 15 लाख 16 हजार वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त जिला राजगड में रू. 45 लाख वितरण की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रदेश में माह जनवरी 2024 में मुरैना जिले की सबलगड तहसील के 12 ग्रामों में ओलावृष्टि से फसल क्षति हुई थी। जिला प्रशासन द्वारा तत्समय तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए अंतर्विभागीय सर्वे दल का गठन कर जिसमें राजस्व, कृषि, उद्यानिकी एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा सर्वे कार्य कराया गया। कुल 892 हेक्टेयर रकबा प्रभावित हुआ था।राजस्व मंत्री ने बताया कि कुल 3900 पात्र किसानों को 2 करोड 72 लाख राहत राशि स्वीकृत की गयी है। अभी तक एक हडार 205 किसानों को राहत राशि रूपये 1 करोड 3 लाख 11 हजार वितरित की जा चुकी है। शेष 2695 किसानों को राहत राशि रूपये 1 करोड 69 लाख का वितरण किया जाना प्रक्रियाधीन है। राहत राशि वितरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर शीघ्र शेष राशि वितरित की जावेगी।राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि ओलावृष्टि के मामलों में सर्वे दल का गठन कर जाँच के आधार पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 11 फरवरी 2024 से पूर्वी मध्यप्रदेश के जिलों में असामयिक वर्षा/ ओलावृष्टि हुई है। जिला बालाघाट, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, डिण्डौरी, मण्डला, सतना, सिंगरौली, पन्ना, अनूपपुर एवं छतरपुर में ओलावृष्टि उपरांत जिला प्रशासन द्वारा अंतर्विभागीय दल गठन कर सर्वे कार्य कराया जा रहा है। राजस्व विभाग द्वारा भी 12 फरवरी 2024 को जिलों को पत्र जारी कर तत्काल सर्वेक्षण हेतु निर्देश दिये है। प्रारंभिक आंकलन अनुसार 34 तहसीलों में 343 ग्राम प्रभावित है। लगभग 3701 किसानों की फसल प्रभावित हुई है। जिलों द्वारा विस्तृत सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे उपरांत नियमानुसार पात्र किसानों को राहत राशि का वितरण किया जायेगा। राजस्व मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा होने पर पात्र किसानों को राहत राशि भुगतान की कार्यवाही तत्काल की जाती है। समय- समय पर राहत राशि में यथोचित वृद्धि कर प्रभावित किसानों को संबल प्रदान किया जाता है। उल्लेखनीय है कि 50 प्रतिशत से अधिक फसलक्षति होने पर राहत राशि 30 हजार प्रति हेक्टेयर से बडाकर 32 हजार प्रति हेक्टेयर की गयी है। जिन मदों में 30 हजार प्रति हेक्टेयर से कम राशि प्रावधानित थी, उन मदों में भी अनुपातिक रूप से वृद्धि की गयी है। केला फसल उत्पादकों/ कृषकों में आर्थिक सुरक्षा का भाव उत्पन्न करने हेतु केला फसल हेतु मानदंडों में संशोधन कर राहत राशि में दुगुनी वृद्धि की गयी है। विगत 03 वर्षों में विभिन्न योजना शीर्षों में राशि रूपये 1 हजार 8 सौ 20 करोड का वितरण शासन द्वारा किसानों को किया गया है। राजस्व मंत्री ने कहा कि विगत वर्षों में ओलावृष्टि राहत राशि वितरण में भिण्ड जिले में कुछ अनियमित भुगतान की स्थिति पाई गई थी। कुल 05 पटवारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी। इसके अतिरिक्त 19 पटवारियों की विभागीय जांच संस्थित की गई थी। मुरैना जिले में अनियमित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं है।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से सामूहिक विवाह समारोह की तिथियाँ तय

जिले में 23 फरवरी से 7 मार्च तक होंगे सामूहिक विवाह समारोह

रीवा(पुष्पांजली टुडे)
।मुख्यमंत्री कन्यादान तथा निकाह योजना से पात्र कन्या को विवाह के लिए 51 हजार रुपए की राशि दी जाती है। कन्या का विवाह परंपरा के अनुसार विधि विधान से सामूहिक विवाह समारोह में संपन्न कराया जाता है। जिले भर में नगरीय निकायों तथा जनपद पंचायतों में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने के लिए तिथियों का निर्धारण कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सामरोह 23 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित किए जाएंगे। जनपद पंचायत रीवा, नगर निगम रीवा तथा नगर परिषद गोविंदग? में 23 मार्च को एवं जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान तथा नगर परिषद गुढ़ में 24 फरवरी को सामूहिक विवाह होंगे। जनपद पंचायत गंगेव तथा नगर परिषद मनगवां में 27 फरवरी एवं जनपद पंचायत नईगढ़ी तथा नगर परिषद नईगढ़ी में 29 फरवरी को सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किए जाएंगे।
कलेक्टर ने बताया कि जनपद पंचायत तथा नगर परिषद मऊगंज में एक मार्च को एवं जनपद पंचायत तथा नगर परिषद हनुमना में तीन मार्च को सामूहिक विवाह समारोह होंगे। जनपद पंचायत त्योंथर तथा सिरमौर एवं नगर परिषद त्योंथर, चाकघाट, सिरमौर, बैकुण्ठपुर तथा सेमरिया में पाँच मार्च को सामूहिक विवाह समारोह होंगे। जनपद पंचायत जवा तथा नगर परिषद डभौरा में सात मार्च को सामूहिक विवाह समारोह होंगे। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में निर्धारित तिथियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। पात्र कन्याओं को पंजीयन करके अधिक से अधिक कन्याओं को इस योजना का लाभ देना सुनिश्चित करें। सामूहिक विवाह समारोह के लिए भण्डार क्रय नियमों का पालन करते हुए सामग्री क्रय तथा अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

भगवान कष्टहर नाथ जी का इन्द्रदेव ने पानी पाथर के साथ किया रुद्राभिषेक

मेले में पुलिस प्रशासन का रहा कडा पहरा शांतिपूर्वक संपन्न हुआ मेले का आयोजन

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
आज बसंत पंचमी के पावन पर्व पर गुढ़ के कष्टहर नाथ मंदिर प्रांगण में विशेष रूप से दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया आपको बता दें कि गुढ़ कष्टहर नगरी में राजा बसंत राय के जमाने से कष्टहर नाथ मंदिर प्रांगण में बसंत पंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मेले के आयोजन के साथ मनाने की परम्परा बनायी गई थी जो वह परंपरा तब से लेकर आज तक चली आ रही है।

भोले बाबा का हुआ रुद्राभिषेक-बसंत पंचमी के पावन पर्व पर भगवान शिव की पूजा अर्चना के लिए सर्व प्रथम भोर 4 बजे तड़के मंदिर के महन्त उमेश पुरी द्वारा भगवान कष्टहर भोले बाबा को अकर्षक स्वारूप से साज सज्जा कर दूध गंगा जल एवं पूजा सामाग्री के साथ वकायदा रुद्राविषेक कर पूजा अर्चना के साथ महाआरती करने के बाद भोले भंण्डारी के कपाट श्रद्धालुओ के दर्शन हेतु खोल दिया गया जहां भगवान शिव के भक्तो ने भोर से ही स्नान ध्यान कर बोले बाबा की पूजा अर्चना हेतु नारियल अगरबत्ती आम के बौर दूध चावल गंगा जल हाथ में लिए भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना करने एक कतार बद्ध तरीके से कपाट खुलने का इंतजार करते रहे और जैसे ही महाआरती व भगवान शिव व माता पार्वती जी का गठबंधन हुआ और कपाट खुला वैसे ही पुलिस सुरक्षा ब्यवस्था के साथ एक कतार बद्ध दर्शनार्थी भगवान कष्टहर नाथ जी के दर्शन कर पूजा सामाग्री के साथ पूजा अर्चना कर भगवान शिव को स्नान करा कर नारियल चढ़ा कर माथा टेक मन्नते मागी और मेले का आनंद लिए।

इन्द्रदेव ने किया जलाविषेक-बसंत पंचमी के पावन पर्व के आगमन के एक दिन पहले मंगलवार को देर रात्रि 8 बजे से इन्द्रदेव ने तेज गडगडाहट के साथ वारिस शुरू कर दी वही बसंत पंचमी को भोर से ही पानी पाथर के साथ भगवान भोले नाथ जी का इन्द्रदेव ने जलाविषेक किया तत्पश्चात बाद नगर के शिव भक्तो ने कष्टहर नाथ जी को जल चढा कर पूजा अर्चना की तथा सुबह 9 बजे के बाद मौसम साफ हुआ लेकिन सुबह से लेकर शाम तक बादलो ने सूर्य देव को ढ़के रहे।

पूर्व न. प. स्वः विष्णु प्रकाश मिश्रा जी की याद में खुला निःप्याऊ-आज बसंत पंचमी पर्व पर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वः श्री विष्णु प्रकाश मिश्रा जी की याद में इनके पुत्र नितिन प्रकाश मिश्रा जी द्वारा दूर दराज से आने वाले मेलार्थियों के लिए निःशुल्क प्याऊ की समुचित व्यवस्था किया गया था।

मेले में नही दिखे बड़े झूले-आपको बता दें कि

पूर्व की तरह इस बार छोटे झूले छोड कर मेले में बड़े इले0 झूले आपको बता दें कि जब तक मेला प्रांगण संकीर्ण नही था तब पूर्व पानी 7 वर्ष पूर्व तक रीवा सीधी सतना यहा तक कि शहडोल तक के झूला संचालको द्वारा बड़े बड़े गगन चुम्बी इले0 झूला देखने को मिलते थे और शहर से लेकर दूर दूर तक के महिलाए व लडके लडकिया झूले का लुत्प उठाते थे लेकिन अब जगह के आभाव के कारण बडे झूले मेले से विलुप्त हो गए

दोपहर बाद दिखा मेले में रौनक-आज बसंत पंचमी को कष्टहर नाथ मंदिर प्रांगण में लगे विशाल मेले में सुबह के समय वारिस होने के कारण मंदिर में भगवान शिव जी की पूजा अर्चना करने वालो के अलावा पूरे मेला प्रांगण में सजी दुकानें व इक्का दुक्का लोग ही दिखे और दुकानदारो में मामूसी देखने को मिली लेकिन दोपहर बाद मौसम साफ होते ही अच्छा खासा दर्शनार्थियो के साथ साथ मेले में मेलार्थियों की भीड भारी तादात में उमड पड़ी और लाई गन्ना घरेलू गृहस्थी का सामान व बच्चो के खिलौनो की जम कर खरीद दारी हुई

पुरानी यादे भी हुई ताजी-आपको बतादें कि आज गुढ़ नगर के कष्टहर नाथ मंदिर प्रांगण में लगे मेले में गुढ़ क्षेत्र ही नही बल्कि रीवा जिला व सीधी सतना जिला सहित दूर दूर के लोगो ने मेले का आनंन्द लेने पहुंचे जहाँ कइयों ने अपने पुराने नात रिस्तेदारो से मिल कर पुरानी यादो को ताजा किए वही कुछ लोगो ने शादी ब्याह की बात कर नयी रिस्तेदारी भी जोडी गई।

टैम्पो वालो की रही चांदी-गुढ़ नगर के कष्टहर नाथ मंदिर प्रांगण में लगे मेले में मेलार्थियों को लाने ले जाने के लिए आटो चालको ने गुढ़ से हर्दी बेला पाती महसांव खजुहा तमरा दुआरी यहां तक की गांव गांव से मेलार्थियों को लाने ले जाने के लिए आटो को दौड़ाते रहे।

सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा प्रशासनिक अमला-बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आज भरे गुढ़ नगर के मेले में मेलार्थियों एवं दर्शनार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था में गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव द्वारा कडी ब्यवस्था के साथ साथ भारी तादात में पुलिस तैनात किया था जिसमे मेले की सुरक्षा ब्यवस्था के लिए गुढ़ टीआई द्वारा चारो दिशा में पुलिस बल की चार टीमे बनाई गई थी जिसमे पूरे मेले प्रांगण के साथ साथ मंदिर में दर्शन करने के लिए आने जाने वालो के लिए भी अच्छी खासी ब्यवस्था की गई थी तथा मेला प्रांगण में खोया पाया केन्द्र भी बनाया गया था वही मेले की ब्यवस्था में मंदिर के बेयलेन्टियर तथा विनयमूर्ति शर्मा तहसीलदार गुढ़, टीआई शैल यादव, एयसआई तीरथ सिंह,सुरेश साकेत प्रधान अ. सत्यदेव पाण्डेय, अ. जयबीर सिंह, राकेश वर्मा अयोध्या प्रजापति, रामरतन वर्मा, आरक्षक मनोज निनामा, विष्णु प्रजापति, अमर बागरी, महिला आरक्षक अनामिका दुबे प्राची सिंह सैनिक राजेश सिंह गौरी शंकर पाण्डेय, सैनिक संतोष मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, ठाकुर दीन पटेल डायल 100 के चालक राजेश चतुर्वेदी अंजान चतुर्वेदी सुरेश साकेत महंत गंगा पुरी बृजेश कुमार दुबे भूपेंद्र मिश्रा रिंकू गर्ग ओम त्रिपाठी सहित गुढ़ थाना पुलिस दल मौजूद मौजूद रहे।हलांकि समाचार लिखे जाने तक छुट पुट घटनाओ बात विवाद को छोड कर किसी प्रकार की कोई बड़ी घटना की खबर प्राप्त नही हुई है।

पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के 2 अभियुक्तों की अवैध रुप से रखी गयी सम्पत्ति को किया गया कुर्क4.7 लाख रुपये की अवैध सम्पत्ति को कुर्क कर लिया गया

बबेरू । सूबे के मुखिया द्वारा अपराधियो पर नकेल कसने के लिये उनकी सम्पत्ति को कुर्क करने की कार्यवाही करनी शुरू कर दी गयी है जिसके चलते जिले की पुलिस ने दो अभियुक्तो के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही करते हुये उनकी सम्पत्ति को कुर्क कर लिया है । थाना बबेरु क्षेत्र के ग्राम हरदौली के रहने वाले अभियुक्तों द्वारा आपराधिक कार्यों में संलिप्त रहकर अवैध तरीके से अर्जित की गई लगभग 4.7 लाख रुपये की सम्पत्ति को किया गया कुर्क । पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा गिरोह बनाकर समाज विरोधी क्रियाकलापों में संलिप्त रहकर अवैध रुप से संम्पति का अर्जन करने वाले अभियुक्तों के विरुद्ध की जा रही कड़ी कार्यवाही दो दिन पहले शाम को बड़ी कार्यवाही की गई । थाना बबेरु क्षेत्र के ग्राम हरदौली के रहने वाले अभियुक्त कमालुद्दीन उर्फ राजू पुत्र जलालुद्दीन व शमसाद पुत्र रमजान द्वारा आपराधिक कार्यों में संलिप्त रहकर अवैध रुप से अर्जित की गई कुल 4.7 लाख रुपये की अवैध सम्पत्ति को कुर्क कर लिया गया । गौरतलब हो अभियुक्त कमालुद्दीन उर्फ राजू व शमसाद पुत्र रमजान द्वारा गिरोह बनाकर लगातार आपराधिक कार्यों में संलिप्त रहकर अवैध रुप सम्पत्ति का अर्जन किया जा रहा था । दोनों अभियुक्तों के ऊपर हत्या के प्रयास, गोवध सहित आर्म्स एक्ट के अभियोग थाना बबेरु पर पंजीकृत है । थाना बबेरु पर धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम-1986 किया गया था । जिसकी विवेचना थानाध्यक्ष कमासिन जयचन्द्र सिंह द्वारा सम्पादित की जा रही थी । वही अभियुक्तों के आपराधिक कृत्यों द्वारा अवैध रुप से अर्जित की गई सम्पत्ति की पहचान कर कुर्की न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट दी गई थी । न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट 29 दिसम्बर को कुर्की के संबंध में आदेश निर्गत किए गए थे । गैंगस्टर एक्ट की 14(1) के तहत कार्यवाही करते हुए शाम को दोनों अभियुक्तों द्वारा अवैध रुप से अर्जित की गई लगभग 4.7 लाख रुपये की सम्पत्ति को जब्त कर लिया गया । इस दौरान उपजिलाधिकारी बबेरु नमन मेहता, प्रभारी निरीक्षक बबेरु राज कुमार सिंह, थानाध्यक्ष कमासिन जयचन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे ।

संपादक की कलम से

अब तो आ ! गले लग जा !!

आज दुनिया भले ही दो बड़े युद्धों में उलझी हुई है। दुनिया में तीन दर्जन देश में आपस में लड़ रहे हैं फिर भी लोगों को याद दिलाया जा रहा है कि आज 'आलिंगन दिवस' यानि 'हग डे' है। आज की पीढ़ी 'आलिंगन' को नहीं 'हग' को जानती है। फिल्मों ने इस आलिंगन को 'जादू की झप्पी' बना दिया है। जबकि आलिंगन प्रेम प्रदर्शन की एक आदिकालीन क्रिया है। देह की एक विशिष्ट मुद्रा है। आलिंगन से लोग पास आते हैं और अदावतें दूर भाग जाती हैं।

आज में सियासत की बात नहीं कर रहा, इसलिए जरा अपनी स्मृति पर जोर डालकर बताइये कि आपने सबसे आखरी बार किसे जादूकी झप्पी दी थी ? किसे अपनी बाहों में भरा था ? किसे आलिंगनबद्ध किया था ? शायद आपको ये सब मुश्किल से याद आये,क्योंकि अब बिरला ही होगा जो जादू की झप्पी देता या लेता हो। जादू की झप्पी देना यानि आलिंगन करना अब असभ्यता समझा जाता है। अशिष्टता मानी जाती है ये क्रिया। राजनीति में तो ऐसा करने वाले का मजाक उड़ाया जाता है। उसे ' पप्पू ' तक कह दिया जाता है।

मुझे याद है कि बचपन में हम लोग जब स्कूल की छुट्टियां होने पर अपने मामा या दादी के पास जाते थे तो दौड़कर अपने मां, नानी, चाचा दादी आदि रिश्तेदारों को आलिंगन में भर लेते थे और देर तक एक दूसरे को बाहों में भींचे रहते थे। कभी-कभी इस प्रक्रिया में नेत्र सजल हो जाते थे, देह कम्पित होने लगती थी। रोमांचित हो जाती थी देह। लेकिन अब पता नहीं कब से कोई आकर गले नहीं मिला। कोई आलिंगनबद्ध नहीं हुआ। रिश्तेदार और दोस्तों की तो छोड़िये परिवार के सदस्य तक आलिंगन देने या लेने में सकुचाते हैं या इसे आवश्यक नहीं मानते।

कभी फुरसत मिले तो अपने किसी को आलिंगनबद्ध करके देखिये। आलिंगन स्नेह प्रदर्शन का वो रूप है, हम एक दूसरे की गर्दन, पीठ, या कमर के चारों ओर बाहुपाश डालते हैं और परस्पर एकाकार हो जाते हैं। दुनिया के हर समाज में आलिंगन को मान्यता प्राप्त है। इसे असभ्यता मानने वाले लोग ही असभ्य हैं। आलिंगन के लिए हिंदी हो अंग्रेजी सभी भाषाओं में एक से अधिक शब्द हैं। हिंदी में आम बोलचाल में इसे ' लिपटा-लिपटी कहा जाता है। आप आलिंगन को अँकवार, अंकमाल, परिरम्भण, गलबहियां भी कह सकते हैं आलिंगन के इससे भी ज्यादा पर्यायवाची होंगे, किन्तु सभी का भाव एक ही होगा, जो हृदय को स्पंदित करना ही है।

आलिंगन केवल मनुष्यों की बपौती नहीं है। दुनिया में जितने भी स्तनपायी जीव हैं वे आलिंगनबद्ध होते है। स्तनपायी तो क्या सरी-सर्प और विहंग भी आलिंगनबद्ध होते दिखाई देते हैं, बल्कि मनुष्य के मुकाबले अधिक आवेग से आलिंगनबद्ध होते दिखाई देते है। अगर आप संवेदनशील हैं और अंतर्दृष्टि रखते हैं तो आपने बनस्पतियों को भी आलिंगन करते हुए देखा होग। लतिकायें, बल्लरियाँ ऐसे आपस में गुम्फित हो जातीहैं की उन्हें आसानी से अलग नहीं किया जा सकता। कुत्ते, सांप, गिरगिट, मेंढक, गौरैया सब आलिंगन लेना-देना जानते हैं। प्रेम और आलिंगन के विरोधियों को आलिंगन का दर्शन करना है या उसके ताप को समझना है तो वे रामचरित मानस में भरत-मिलाप के प्रसांग को अवश्य पढ़ें। भरत और निषाद के प्रसंग को भी देखें, राम और हनुमान के ही नहीं राम और सुग्रीव के मैत्री प्रसंग को ही देख लें तो समझ आ जाएगा की आलिंगन एक सनातन परम्परा और प्रक्रिया है।

बहरहाल मै आलिंगन की बात कर रहा था। आलिंगन हमारी संस्कृति और साहित्य का भी अभिन्न अंग रहा है। हमारी फिल्में तो हमेशा आलिंगन की समर्थक रही है। फिल्मों के जरिये आलिंगन को खूब प्रचार मिला है। आपके अवचेतन में एक गीत हमेशा गूंजता होगा- 'लग जा गले की फिर ये हंसी रात हो न हो' आलिंगन के आग्रह और निमंत्रण की इससे बेहतर अभिव्यक्ति कोई दूसरी हो नहीं सकती

हमने तो युवावस्था में एक फिल्म देखी थी जिसका नाम ही था -' आ गले लग जा। 'संजय दत्त की एक फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस ने तो आलिंगन को जादू की झप्पी के रूप में इतना लोकप्रिय बना दिया था कि ये मृतप्राय परम्परा एक नए रूप में समाज में वापस लौट आयी थी।

आज जब देश और दुनिया अदावत के एक विचित्र दौर से गुजर रही है तब आलिंगन की महती आवश्यकता है। हम आपसी वैर-भाव को सामाजिक अलगाव को दो देशों के बीच खूनी जंगों को आलिंगन के जरिये रोक सकते है। खाइयां पाट सकते हैं।

आलिंगन खाइयां पाटने का एक प्रामाणिक तरीका है। ईद पर, होली-दीवाली पार हम सदियों से एक दूसरे को आलिंगन में भरते आये हैं। आलिंगन जाति, धर्म, वर्ण, रंग-रूप कुछ नहीं देखता, लेकिन अब ये आलिंगन संकटापन्न है। अर्थशास्त्र के साथ ही सियासत ने आलिंगन की मिटटी कूट दी है। आलिंगन को मनुष्यता के हित में बचने यानि संरक्षित करने की आवश्यकता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री विश्वगुरु बनने के लिए दुनिया के तमाम देशों के राष्ट्रप्रमुखों को जादू की झप्पियाँ सार्वजनिक रूप से देते है। सभ्य कहे जाने वाले देशों के राष्ट्राध्यक्ष कभी-कभी मोदी जी की इस कोशिश से अचकचा जाते हैं, किन्तु मुझे ये अच्छा लगता है। दुनिया में साधू-संत हो या हिटलर आलिंगन की अवज्ञा नहीं कर सकत।

संत होने के लिए भी आलिंगन उतना ही आवश्यक है जितना की हिटलर बनने के लिए।

हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक जादू की झप्पी बड़े काम की चीज है। अगर आपका हमसफर किसी तनाव या किसी तरह के दर्द से गुजर रहा है, तो उसे आलिंगनबद्ध कर- के यानि 'हग' करके देखिये उसे दवाओं से ज्यादा राहत मिलेगी। भारत के बाहर दुनिया वाले वेलेंटाइन डे से एक हफ्ते पहले आलिंगन दिवस यानि 'हग डे' मनाते हैं। संयोग से इस साल ये दोनों दिन बसंत के मौसम में पड़ रहे है। मै अपने तजुर्बे से कहता हूँ कि यदि आप अपने जीवन में सदैव बसंत की मौजूदगी चाहते हैं तो एक बार अपने किसी भी प्रिय को आलिंगनबद्ध करके अवश्य देखे। आलिंगन करने के लिए केवल प्रेयसी या पत्नी का होना ही आवश्यक नहीं है। आप अपने बच्चों को, बच्चों के बच्चों को दोस्तों, रिश्तेदारों अपने सहकर्मियों को भी आलिंगनबद्ध कर सकते है। किसी संहिता में आलिंगन का निषेध नहीं है। मुझे तो आज भी जब भी अवसर मिलता है किसी न किसी को आलिंगनबद्ध करता हूँ और उस ताप को महसूस करता हूँ जो दैहिक ही नहीं बल्कि दैविक भी है। भगवा ब्रिगेड से आग्रह है कि वे आलिंगन में बाधक न बनें। आलिंगन दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं।

आम चुनाव की ओर बढ़ता देश

संसद का शनिवार को अंतिम सत्र समाप्त हो गया। इसके साथ ही देश अब अगली लोकसभा के लिये आम चुनाव की ओर बढ़ चला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार का दूसरा कार्यकाल पहले (2014-19) के मुकाबले कहीं अधिक कसैली यादें छोड़ गया है। 17वीं लोकसभा के सत्रावसान की बेला में सदन के नेता होने के नाते श्री मोदी से स्वाभाविकत: यही उम्मीद थी कि वे एक सकारात्मक नोट के साथ पक्ष-विपक्ष के सदस्यों से विदा होते, लेकिन जाते हुए उन्होंने अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में तीन तलाक एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाये जाने का उल्लेख कर साफ कर दिया कि वे ध्रुवीकरण का एजेंडा लेकर ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिये जनता का समर्थन मांगने जा रहे हैं। अंतिम सत्र के आखिरी दो दिनों में संसद में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूपीए) सरकार के 2004 से 2014 तक चले डॉ. मनमोहन सिंह के दो कार्यकाल के कामकाज को लेकर श्वेत पत्र लाकर उन्होंने और भाजपा ने संकेत दे दिये हैं कि कांग्रेस के प्रति नफरत व झूठ अब भी उनके सर्वाधिक भरोसेमंद हथियार हैं। देखना होगा कि सितम्बर, 2022 से कांग्रेस एवं उसका साथ पाकर मजबूत होता संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया, भाजपा को तीसरी बार केन्द्र की सत्ता पाने से रोक पाता है या नहीं। हालांकि अबकी स्थिति न 2014 जैसी है, और न ही 2019 वाली। अब तो भाजपा के सामने चुनौती है कि वह किसी प्रकार से कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन को रोके।सामान्य तौर पर तो किसी भी चुनाव के पहले सरकार के कामकाज का आकलन होता है और उसके आधार पर सत्ताधारी दल जनता की अदालत में उपस्थित होता है। इसी के बरक्स विरोधी दल सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों की नाकामियों को उजागर करते हैं। दोनों ओर की बातें सुन-समझकर मतदाता अपना फैसला मतपेटियों के माध्यम से सुनाते हैं। यही स्वस्थ लोकतंत्र में सरकारें चुनने या हटाने का तरीका होता है, परन्तु मोदी सरकार के कार्यकाल में वह परम्परा जाती रही। विपक्ष की ओर से या देश-दुनिया के किसी भी मंच से सरकार से पूछे गये सवालों का जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से जवाब देने सा समय चला गया।

प्रधानमंत्री ने 10 वर्षों में कोई भी विधिवत प्रेस कांफ्रेंस नहीं ली- दोनों ही कार्यकालों में। सैकड़ों तरह के मुद्दे उठे और चले गये लेकिन अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को 'मौनमोहन' कहने वाले नरेन्द्र मोदी स्वयं चुप्पी साधे रहे। अत्यधिक दबाव में जो दो-तीन मर्तबा उन्होंने कहा, वह लोग उंगलियों पर गिन सकते हैं। करोड़ों की लागत से और एक व्यवस्थित प्रचार तंत्र के जरिये खुद की 'महामानव' की छवि गढ़कर केन्द्र की सत्ता हासिल करने वाले श्री मोदी के 10 वर्ष का हर क्षण स्वयं के महिमा मंडन और विपक्ष को अपमानित करते हुए गुजरा। विधायिका, कार्यपालिका एवं बड़े पैमाने पर न्यायपालिका के साथ सारी संवैधानिक संस्थाओं, जांच एजेंसियों तथा मीडिया को अपनी मुट्ठी में जकड़कर नरेन्द्र मोदी दूसरा कार्यकाल समाप्त होते-होते इतने शक्तिमान हो गये हैं कि अब काडर आधारित पार्टी कहलाने वाली भाजपा व उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक उनकी जेब में हैं। संसदीय शिष्टाचार को ठेंगा दिखाते हुए संसद के दोनों सदनों यानी लोकसभा व राज्यसभा के क्रमश: अध्यक्ष व सभापति तो छोड़िये, राष्ट्रपति से भी वे ऊपर हैं। भारत को 'लोकतंत्र की जननी' एवं 'लोकतंत्र देश की रगों में' होने का दावा करने वाले नरेन्द्र मोदी ने देश की सम्पूर्ण संसदीय प्रणाली एवं लोकतांत्रिक मूल्यों व प्रणाली को ध्वस्त कर दिया है।श्वेत पत्र के मुकाबले कांग्रेस द्वारा लाये गये ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के दो कार्यकाल का जो कच्चा-चिट्ठा पेश किया गया है, वह यह बताने के लिये पर्याप्त है कि कैसे उन्होंने विपक्ष मुक्त भारत बनाने के लिये इस दौरान प्रतिपक्ष के 400 से अधिक विधायकों को अपने दल में मिलाया। इतना ही नहीं, केन्द्रीय जांच एजेंसियों के बल पर कई राज्यों की चुनी हुई सरकारें गिराई एवं मतदाताओं के फैसलों का अपमान कर जोड़-तोड़ व धन बल से और डरा-धमकाकर भाजपा की सरकारें बनवाई।

बसंत पंचमी- 14 फरवरी, 2024: स्वागत करें ज्ञान एवं सौभाग्यरूपी उजालों का

-ललित गर्ग -

मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा त्योहार है बसंत पंचमी, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। बसंत पंचमी को श्रीपंचमी, ज्ञान पंचमी भी कहा जाता है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सुर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। बसंत पंचमी जीवन में नई चीजें शुरू करने का एक शुभ दिन है। बहुत से लोग इस दिन ह्यगृहप्रवेशह्न करते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करते हैं या महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करते हैं। विवाह के लिए भी बसंत पंचमी का दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। इस त्योहार को अक्सर समृद्धि और सौभाग्य से जोड़ा जाता है।

बसंत पंचमी के साथ, यह माना जाता है कि वसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है। यही क्षण है व्यक्तिवादी मनोवृत्तियों को बदलने का, ईमानदार प्रयत्नों की शुरूआत का, इंसानियत की नींव को मजबूती देने का। बहुत जरूरी है मन और मस्तिष्क की क्षमताएं सही दिशा में नियोजित हों। निर्माण का हर क्षण इतिहास बने, इसके लिये पवित्र मन से सरस्वती की साधना जरूरी है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणा वादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंचतत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंच-तत्त्व- जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती, उसका तो कहना ही क्या वह तो मानो साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाते। धनी जहाँ प्रकृति के नव-सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो वहीं निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने पर सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानो उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यों ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है प्रकृति का। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत उसका सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्लव, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार देकर विलक्षण बना देता है।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरूआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी को कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। यदि आपका मन शांत और पवित्र नहीं होगा तो देवी की कृपा प्राप्त नहीं होगी और न ही पढ़ाई में सफलता मिलेगी। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए।

प्रेषक:
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट 25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोन: 22727486, 9811051133

एक भारत रत्न ने बदली पश्चिम यूपी की राजनीति

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कल तक विपक्ष आई.एन.डी.आई.ए. बनाकर एकजुट दिखाते हुए दिल्ली फतह करने की तैयारी में था। अब भाजपा के बिहार के बाद यूपी में किए खेल ने विपक्ष के सारे समीकरण बिगड़ गए। भाजपा की इस गुगली में विपक्ष धराशाही हो गया। बिहार का अभी नितीश कुमार का भाजपा से गठबंधन का मामला ठंडा नही पड़ा था कि भाजपा ने किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दे दिया। इस एक भारत रत्न से भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति का नक्शा बदलने में कामयाब हो गई।इस भारत रत्न ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकता की पूरी तरह से जड़े हीं हिलाकर रख दीं। इस भारत रत्न से जहां भाजपा को सीधे लाभ मिलेगा, वहीं विपक्ष को भारी नुकसान होगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के जाटों की केंद्र में जाट आरक्षण की मांग को नुकसान होगा।

पिछले काफी समय से पश्चिम उत्तर प्रदेश का जाटों का काफी तबका भाजपा से जुड़ गया था। मुजफ्फर नगर के दंगे ने इसे और एकजुट किया। राम मंदिरके नाम पर तो ये ध्रुवीकरण और हुआ। रालोद का परंपरागत वोट ही उसके पास बचा था। इस भारत रत्न के बाद भाजपा-रालोद गठबधंन को भी रालोद का ये परम्परागत वोट भाजपा को लाभ ही पंहुचाएगा।

अब तक का राजनैतिक दृश्य कह रहा है कि उत्तर प्रदेश में बसपा और सपा का गठबंधन नही होगा। बसपा सुप्रिमो सुश्री मायावती इसकी कई बार घोषणा कर चुकी हैं। सपा पश्चिम में रालोद के साथ मिलकर भाजपा के सम्मुख मैदान में उतरने की तैयारी में थीं।?सीट भी तय हो गईं थीं कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा, पर ये राजनीति है। इसमें अगले पल क्या हो जाए, कुछ नही कहा जा सकता। और ये हो गया। किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद रालोद का भाजपा के साथ जाना सरल हो गया। रालोद के भाजपा के साथ जाने से पश्चिम उत्तर प्रदेश के पूरे ही समीकरण बदल गए। तय हो गया कि पश्चिम का भाजपा झ रालोद में बंटा 18 प्रतिशत जाट वोट सीधा अब रालोद -भाजपा गठबंधन को जाएगा। सपा अब यहां कोई करिश्मा नही दिखा पाएगी। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस से गठबंधन से पहले इंकार कर दिया है। बाद में रालोद के साथ रहने के दौरान उन्होंने यूपी में कांग्रेस को सिर्फ 11 सीट देने की घोषणा की थी, अब बदले में हालात में रालोद के भाजपा के साथ जाने के बाद वे क्या करेंगे, यह समय ही बताएगा। अब तक कांग्रेस के सामने हेकड़ी दिखा रहे सपा सुप्रिमों अखिलेख का चुनावी समीकरण औरं गठबंधन कांग्रेस से अपनी शर्त पर होगा या कांग्रेस की, यह अभी नही कहा जा सकता, किंतु यह तय है कि अब तक का उसका कांग्रेस के प्रति कठोर रवैया जरूर मुलायम होगा।

पिछले विधानसभा चुनाव में पश्चिम उत्तर प्रदेश ने सपा- रालोद गठबधंन के जाट-मुस्लिम समीकरण के बावजूद बीजेपी ने कुल 136 विधानसभा सीटों में से 94 सीटों पर कब्जा किया था। पश्चिमी यूपी की 22 जाट बहुल सीटों पर बीजेपी ने विजय हासिल की थी। पश्चिम यूपी में करीब 18 प्रतिशत जाट आबादी है, जो सीधे चुनाव पर असर डालती है। यानी जाट समुदाय का एकमुश्त वोट पश्चिमी यूपी में किसी भी दल की हार-जीत तय करता है। 2019 के चुनाव में जाटलैंड की सात सीटों पर बीजेपी को हार मिली थी। बीजेपी को मुजफ्फरनगर, मेरठ समेत तीन सीटों पर काफी कम अंतर से जीत मिली थी। आरएलडी के भाजपा नीत गठबंधन एनडीए के साथ आने से यहां बीजेपी की जीत की राह आसान हो जाएगी। 2009 के लोकसभा चुनाव में आरएलडी ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। किसान आंदोलन के बाद उपजे किसान आक्रोश को कम करने के लिए भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भी रालोद प्रमुख जयंत को साधने की कोशिश की थी, लेकिन वे उन्हें जोड़ने में कामयाब नहीं हो पाई। लोकसभा चुनाव में अपने मिशन को पूरा करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जयंत चौधरी की जरूरत भाजपा को महसूस हो रही थी। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद अब यह खेला पूरा हो गया। यहां लोकसभा की 27 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में भाजपा ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा- बसपा महागठबंधन को आठ सीटों पर जीत मिली थी। पश्चिमी यूपी की चार सीटों पर सपा और चार पर बसपा उम्मीदवारों को जीत मिली। हालांकि, रालोद को इस चुनाव में कोई सीट नहीं मिल सकी। जाट समाज ने भी रालोद का साथ नहीं दिया। 2014 के बाद 2019 में भी आरएलडी को निराशा ही हाथ आई थी। जाट समाज के दिग्गज नेता अजित सिंह और जयंत चौधरी भी सपा- बसपा गठबंधन के साथ रहने के बाद भी अपनी सीट नहीं बचा पाए थे। एनडीए के साथ आने से आरएलडी की उम्मीदें बढ़ती दिख रही हैं। फायदा भाजपा को भी होना तय माना जा रहा है किंतु ये भी निश्चित है कि इस गठबंधन से शून्य पर पंहुची रालोद को भी संजीवनी मिलेगी।पश्चिमी यूपी की 27 लोकसभा सीटों का गणित भाजपा-आरएलडी गठबंधन के बाद बदलना तय माना जा रहा है। जयंत चौधरी की स्वीकार्यता हिंदू और मुस्लिम दोनों समाज में है। चौधरी चरण सिंह ने किसानों के बीच अपनी राजनीति शुरू की थी। इसमें धर्म कहीं नहीं था। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद धार्मिक आधार पर मतों का विभाजन हुआ। इसने पश्चिमी यूपी की राजनीति को बदलकर रख दिया। जाट समाज का एक बडा हिस्सा भाजपा के पाले में आया। हालांकि, 2020 के किसान आंदोलन के बाद एक बार फिर किसान एकजुट होने लगे हैं। यूपी चुनाव 2022 में सपा-आरएलडी गठबंधन का पश्चिमी यूपी में प्रभाव कुछ इसी प्रकार की स्थिति को दिखाता है। ऐसे में भाजपा के साथ आरएलडी के आने के बाद विपक्षी गठबंधन रनर की भूमिका में ही सिमट जाएगा। एक बात और भाजपा के साथ गठबंधन से रालोद की इज्जत भी बच जाएगी। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद हिंदू वोट का भाजपा के पक्ष में बुरी तरह धुर्वीकरण हुआ है। ऐसे में हो सकता था कि सपा-गठबंधन में चुनाव लड़ने से पश्चिम में रालोद का सूपड़ा ही साफ हो जाता। पिछले लोकसभा चुनाव में भी उसे कुछ नही मिला था। इस भारत रत्न से भाजपा राजस्थान के उन जाटों की भी नाराजगी कम करने का काम करेगी, जो काफी समय से वहां आरक्षण की मांग कर रहे हैं। चौधरी चरणसिंह को भारत रत्न मिलने के बाद केंद्र में जाटों के आरक्षण की मांग करने वालों के सुर भी बदले हैं।ये कहते हैं कि चौधरी चरणसिंह को भारत रत्न मिलना बहुत बड़ा कार्य है। जाट आरक्षण और गन्ना मूल्य तो छोटे झ मोटे मामले हैं। ये तो चलते ही रहते हैं। चलते रहेंगे।

पश्चिम के भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का राजनीति से पहले से ही प्रत्यक्ष रूप से वास्ता नही। वह तो जब तक किसानों की बात कर रहे हैं तब तक पश्चिम उत्तर प्रदेश के जाट उनके साथ हैं, राजनीति में आते ही उनका प्रभाव खत्म हो जाता है। वह और उनके पिता स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत राजनीति में उतरकर देख चुके हैं। पूरब में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर का अपना प्रभाव है। पिछले चुनाव में सपा में रहकर चुनाव लड़े थे। अब तो वह काफी समय से भाजपा के भजन गाते घूम रहें हैं। इस तरह से अब उत्तर प्रदेश का चुनावी परिदृश्य बिलकुल साफ हो गया है। मुस्लिम यादव समीकरण के बूते सत्ता के रास्ते तक पहुंचती रही सपा का यादव वोट राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद सपा के पास कितना बचा रहेगा, ये चुनाव के बाद ही साफ होगा। इतना जरूर कहा जा सकता है, कि अब यादव वोट भी भाजपा की ओर जाने लगा है।

राग रंग और उत्सव का पर्व है बसन्त पंचमी

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।

बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती नि:शेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अत: राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है।

ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है।

चूंकि बसन्त पंचमी का पर्व इतने शुभ समय में पड़ता है। अत: इस पर्व का स्वत: ही आध्यात्मिक, धार्मिक, वैदिक आदि सभी दृष्टियों से अति विशिष्ट महत्व परिलक्षित होता है। प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह अपनी बनाई हुई सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को अपनी बनाई सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर कमल पुष्पों तथा धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी।

मासिक धर्म में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारतीय स्टेट बैंक शिवपुरी द्वारा शासकीय कन्या शिक्षा परिसर शिवपुरी तथा शासकीय आदिवासी महाविद्यालय कन्या छात्रावास शिवपुरी में मासिक धर्म में स्वच्छता को ब?ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक दवारा स्काई सोशल एनजीओ के माध्यम से सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) के तहत राज्य के 25 जिलों में जनजाति कार्य विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से स्कूल की कन्याओं के लिए पुनः प्रयोग करने योग्य सैनिटरी पैड का वितरण किया जा रहा है। मासिक धर्म में

स्वच्छता को ब?ावा देने के लिए प्रदेश के चयनित 25 जिलों की लगभग 500 कन्याओं को सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यशाला में उन्हें सुरक्षित, सतत और स्वास्थ्यपूर्ण मासिक धर्म प्रथा पर शिक्षित किया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह की कार्यशाला समृद्ध दृष्टिकोण मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन में सुधार लाएगी और युवा ल?कियों को उनके शैक्षणिक यात्रा में शिक्षित भी करेगी।

जिले सुरक्षा सैनिक एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप 20 से 23 फरवरी तक

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली व भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के तहत एवं जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी के सहयोग से एस.आई.एस. के संयुक्त तत्वावधान में शिवपुरी जिले के 340 शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड जवासा नीमच द्वारा 20 फरवरी को जनपद पंचायत कोलारस और बदरवास, 21 फरवरी को जनपद पंचायत नरवर और पोहरी, 22 फरवरी को जनपद पंचायत पिछोर और खनियाधाना, 23 फरवरी को जनपद पंचायत करैरा और रोजगार कार्यालय शिवपुरी में भर्ती केम्प का आयोजन प्रातः 11 बजे से शाम 3 बजे तक किया जाएगा।इस हेतु बेरोजगार अभ्यर्थी जिनकी योग्यता 10वी पास, उम्र 21 से 37 वर्ष, ऊंचाई 168 से.मी. एवं सुरक्षा सुपरवाइजर 12वीं पास, कंप्यूटर कोर्स, उम्र 21 से 35 वर्ष, ऊंचाई 170 सेमी. वजन 56 किलो से 90 किलो, सीना 80 से 85 से.मी. आवेदन कर सकते हैं। उक्त तिथियों में 10वी की छायाप्रति, 1 फोटो, आधार कार्ड, रजिस्ट्रेशन शुल्क 500 रु. चयनित उम्मीदवार को क्यूआर कोड से ऑनलाइन जमा करना होगा। इसमें एक माह का प्रशिक्षण देकर 65 वर्ष की स्थाई नौकरी दी जायेगी। जिसमें खजुराहो का मंदिर, चित्तौड का किला, सांची का स्तूप, दिल्ली का लाल किला, एस.बी.आई. बैंक, आई.डी.बी.आई. बैंक, झांसी का किला, ग्वालियर का किला, आगरा का ताजमहल में 14 हजार से 18 हजार के मासिक वेतन पर रखा जायेगा। अन्य सुविधायें पी.एफ., पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल सुविधा, बीमा प्रमोशन एवं दो बच्चों की पडाई आई. पी.एस. स्कूल देहरादून में करवा सकते है। आवश्यक जानकारी के लिए मो. 9079850906 एवं 62610 92834 पर तथा वेबसाईट 222से प्राप्त की जा सकती है।

स्पीक मैके एवम एसआरएफ फाऊंडेशन का शहनाई वादन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-स्पीक मैके एवम एसआरएफ फाऊंडेशन के सहयोग द्वारा चले जा रहे हैं विरासत प्रोग्राम के अंतर्गत हैप्पी डेज स्कूल और यूआईटी आरजीपीवी महाविद्यालय सतनबाड़ा में शहनाई वादन हुआ, शहनाई वादक पंडित संजीब शंकर एवम अश्विनी ने राग द्व डगर विच कैसे चालू मोहे रोक रे कन्हैया पर वादन किया उन्हें यह रात अपने दादा गुरु से मिला इसके बाद भैरवी ठुमरी आया करो जरा कह दे रे सांवरिया से एवम वैष्णव जन ते तेने ही काहीये का वादन किया पंडित संजीव शंकर ने बताया की शहनाई का माउथ पीस बनाने में उन्हें डेढ़ साल लगता है यह एक विशेष घास में जो तालाब में पनपती उससे बनता है, शहनाई और हमारे शरीर का एक अभिन्न अंग बन चुकी है जो हमारे दिल ओर दिमाग की आवाज सुन लेती है जिससे हम जेसी चाहते हैं वैसी धुन बजा पाते हे ,इतने निपुण होने में होने के लिए हमें रोज 12 घंटे का रियाज़ करना पड़ता है अपनें उदबोदन में छात्रों से अनुरोध किया कि आप अपने कल्चर और हेरिटेज को समझिए इस अवसर पर स्पीक मेंके चेयरपर्सन श्रीमती गीता दीवान, प्राचार्य हैप्पी स्कूल श्रीमती अंजू शर्मा, स्पिकमेके डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर श्री शंभू सिंह दांगी , मीडिया एंड पब्लीसिटी कन्वेनर विक्रम सिंह सोलकिया, यूआईटी आरजीपीवी सतनवाडा डायरेक्टर श्री राकेश सिंघई , श्री मति नम्रता उपस्थित रहे

हिन्दू धर्म के सोलह संस्कारों में से एक महत्त्वपुर्ण संस्कार है विद्यारम्भ संस्कार :प्रमोद चतुर्वेदी

मुंगावली संवाददाता

-नगर विद्या की देवी माँ सरस्वती के जन्मदिवस पर आज नगर के विद्यालय सरस्वती शिशु मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नन्हे नन्हे भैया बहिनो का पाटी पूजन कर विद्यारम्भ संस्कार कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में परम्परा अनुशार वेद यात्रा निकाली गई प्राचीन सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर से चारो वेदों ॠग्वेद , सामवेद अर्थववेद ,ओर यजुर्वेद का पूजन कर विद्यालय की दीदीओ द्वारा वेदों की पुस्तकों के अपने अपने सीस पर रखकर यात्रा पालीवाल कॉलोनी , चन्देरी रोड , बस स्टेंड डांक घर , पुराने थाने , नगर पालिका होते हुए विद्यालय पहुँची जहां वेदाचार्य पण्डित अवधेश शर्मा ने विधि विधान से कार्यक्रम करवाया और उसके बाद विद्यालग परिसर में बने माँ सरस्वती के मंदिर में स्थापित माता की प्रतिमा का पूजन समिति अध्यक्ष डॉ राजीव सोनी , ओर कोषाध्यक्ष प्रमोद चतुर्वेदी द्वारा कराया गया उसके पश्चात हवन वेदियों का पूजन करते हुए नगर से आये लगभग 251 भैया बहिनो का पाटी पूजन कार्य सिलेट पर ड अक्षर लिखवाकर पूर्ण करवाया गया साथ ही प्राचीन परंपरा के अनुशार अनार की लकडी को शहद में भिगोकर नन्हें नन्हे भैया बहिनो के मुंह मे लगाकर मन्त्रोच्चारण के साथ पूजन हुआ कार्य्रकम में मूंगावली विधानसभा के पूर्व विधायक चंदन सिंह यादव , पूर्व विधायक चन्द्र मोहन रावत , नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेश ग्वाल, सहित कई गणमान्य महनुभव मौजूद रहे

मुख्य बकता के रूप में बोलते हुए प्रमोद चतुर्वेदी ने बताया कि किस तरह हमारे धर्म के संस्कारों को विद्या भारती के विद्यालय आगे बडा रहे हैं और समाज मे जागरूकता लाने का कार्य कर रहे हैंसाथ ही उन्होंने बतलाया कि वंसत पंचमी पर जो समर्पण राशि एकत्रित की जाती है वह वनवासी बस्तियों में चलाये जा रहे विद्यालयों के लिये भेजी जाती है और समाज का कोई भी तबका शिक्षा से वंचित न रह जाये इसके लिए यह धन संग्रह किया जाता है कार्याक्रम में आये पूर्व विधायक चन्द्र मोहन रावत ने ऐसे विद्यालयों के लिए एक बच्चे के एक साल की पडाई का पूरा खर्चा 25000 (पचीस हजार रुपये) दान दिए आज के कायक्रम में ओर विधायक की धर्म पत्नी एडवोकेट शान्ती रावत ने भी ऐसे विद्यालय में पडाने बाले एक आचार्य का एक वर्ष का वेतन 16000 (सोलह हजार रुपये) दान में दिए रावत परिवार के इस कार्य का विद्यालय के प्राचार्य विशाल भार्गव ने आभार गापित किया और कहा कि समाज को इस तरह के कार्यो से प्रेरणा लेनी चाहिये कार्यक्रम के अंत मे शिशु वाटिका की दीदी आशा दुवे द्वारा सभी आगन्तुको का आभार व्यक्त किया गया और शिशु वाटिका दर्शन का आग्रह अभिभावकों ओर भैया बहिनो से किया गया कार्य्रकम में आज लगभग 11 भैया बहिनो का प्रवेश भी सम्पन्न हुआ।

श्री राममंदिर नए भारत का अरुणोदय है- सांसद डॉ.के.पी.यादव

त्रिदिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का गुना में हुआ समापन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- त्रिदिवसीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के समापन के अवसर पर लक्ष्मीगंज गुना में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक सांसद डॉ.के.पी.यादव ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्षेत्र की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारत की आजादी का अमृत काल चल रहा है आज विश्व का सर्वाधिक युवा भारत में निवास करता है हमारे देश में लोकतंत्र शक्तिशाली है उसी का परिणाम है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की आत्मा भगवान श्री राम का भव्य मंदिर निर्माण किया देश में चाहूंगा और हर्षोल्लास का वातावरण हैइस अवसर पर दिल्ली से पधारे अजय भाई द्वारा सुमधुर देशभक्ति के तराने व भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। रंग दे बसंती चोला,÷बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी...÷जैसे देशभक्ति तरानों पर श्रोताओं के साथ सांसद डॉ.के.पी.यादव भी जमकर थिरके। इस अवसर पर पुष्प वर्षा की गई और मंच पर उपस्थित संत महंतों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड, पूर्व विधायक गोपीलाल जाटव, राजेन्द्र सालूजा, सांसद प्रतिनिधि सचिन शर्मा, रमेश मालवीय, राजू यादव लक्ष्मण सिंह इमलिया, पवन सिंह इमलिया, करण सिंह ठाकुर, रविन्द्र भट्ट, धर्मेंद्र मानपुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी संस्थाओं के प्रमुख व पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं द्वारा एक-एक दीपक प्रज्वलित कर महाआरती का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नवांकुर संस्था की पाक्षिक बैठक संपन्न

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

नवांकुर संस्था विजयश्री जनकल्याण परिषद सेक्टर-5 मृगवास की मीटिंग का आयोजन ग्राम सोलई मैं आयोजित की गई, मीटिंग में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के ग्राम मृगवास,झींकनी, लीलबेहखुर्द, खेरबेह,गाद्या, कुसुमपुर और कडैया खुर्द के कैलाश शर्मा, देवेंद्र सिंह राजपूत, घनश्याम बंजारा, नारायण सिंह बंजारा,शिवनारायण गुर्जर, नन्नू भील और भंवर लाल लोधा सहित जागरूक महिलाएं मीटिंग में शामिल हुई। नवांकुर संस्था के अध्यक्ष पीयूष पारीक मैं मां सरस्वती का पूजन कर बसंत पर्व और बसंत ॠतु के बारे में पौराणिक महत्व को बताते हुए

विस्तार से बताया। शिवनारायण गुर्जर ने मीटिंग में अपने ग्राम प्रस्फुटन समिति के ग्रामों में प्रत्येक व्यक्ति के काम आने वाले16 पंजीयन प्रमाण पत्र बनवाने, एवं उनमें लगे वाले प्रमाण पत्रों की जानकारी दी, नारायण सिंह बंजारा घुमक्कड़ अर्ध घुमक्कड़ और विमुक्त जाति की जनकल्याणकारी योजनाओं और बंजारा समाज द्वारा मजदूरी के लिए पलायन रोकने हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी की जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा श्रमिकों को 100 दिन रोजगार की गारंटी दी गई है और 15 दिन में रोजगार नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता ?10000 राशि भुगतान की जाती है। नया जॉब कार्ड बनवाने की समय सीमा साथ दिवस है और सात दिवस में जॉब कार्ड नहीं बनने पर ?100 प्रतिदिन के हिसाब से हितग्राही को मिलता है।

कायस्थों के सामाजिक,आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए जीकेसी संकल्पित –राजीव रंजन

पटना, ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ़्रेंस की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन करते हुए ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि कायस्थों के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए जीकेसी संकल्पित है। श्री प्रसाद ने कहा कि जीकेसी का वैश्विक सफ़र दो दर्जन से ज़्यादा देशों एवं भारत के अधिकतर राज्यों तक पूरा होकर अन्य क्षेत्रों में विस्तार की ओर अग्रसर है।उन्होंने कहा कि अब रोज़गार के अवसर बढ़ रहे हैं।नौकरियों के परंपरागत सोंच से अलग हटकर स्टार्टअप ,एमएसएमई एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना के माध्यम से अनेक रोज़गार सृजित करने की दिशा में हमें बढ़ना चाहिए।जीकेसी के विंग सीसीसीआई के माध्यम से हम तकनीकी परामर्श उपलब्ध करायेंगे।वहीं इस क्षेत्र में भारत सरकार एवं बिहार सरकार की उद्यमी योजनाओं का लाभ समाज ले,इसके लिए ज़िला इकाइयाँ सहयोग करेंगी। प्रबंध न्यासी श्रीमती रागिनी रंजन ने कहा कि जीकेसी ने कुछ कुटीर उद्योग पटना एवं मुजफ्फरपुर में स्थापित किए हैं।अन्य स्थानों पर भी स्थानीय इकाइयाँ इसके लिए प्रयत्नशील हैं।हमारे उत्पादों की मार्केटिंग के लिए बेहतर रणनीति बन रही है।वहीं गो ग्रीन अभियान भी पर्यावरण की चुनौतियों से निबटने में सहायक होगा।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता कमल किशोर द्वारा संपादित मासिक 'कायस्थ समाचार' का विमोचन श्री राजीव रंजन प्रसाद द्वारा किया गया। हरियाणा प्रदेश जीकेसी की अध्यक्ष रजनी श्रीवास्तव ने संगठन के कार्यों में महिलाओं की सशक्त भागीदारी की प्रशंसा की।प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक अभिषेक ने कहा कि सदस्यता अभियान ज़ोरदार तरीक़े से चलाने के लिए ज़िला प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है।संबोधन करने वाले वक्ताओं में प्रमुख थे श्रीमती रागिनी रंजन,दीपक अभिषेक,कमल किशोर,सुनील कुमार,डॉ नम्रता आनंद,संजय कुमार सिन्हा,रजनी श्रीवास्तव,दीप श्रेष्ठ,प्रेम कुमार,,संजय सिन्हा,दिलीप कुमार सिन्हा,नीलेश रंजन,नंदा कुमारी ,धनंजय प्रसाद,जीतेन्द्र कुमार सिन्हा,अनिल कुमार दास,मुकेश महान,आशुतोष ब्रजेश,रश्मि सिन्हा,रवि सहाय,बलराम जी,रवि सिन्हा ,सुशील श्रीवास्तव,रचना सिन्हा,दिवाकर वर्मा,आराधना रंजन,रानेश रौशन,ॠषि राज,बिंदुभूषण प्रसाद,हरि कृपाल,शिवानी गौर,अजय अम्बस्थ,ज्योतिष कुमार सिन्हा,अमित प्रकाश श्रीवास्तव,विनय देवकुलीआर,मनीष कुमार,अतुल कुमार दास,कृष्ण गोपाल सिन्हा,नीलेश वर्मा नील,कुमार संभव ,हैप्पी श्रीवास्तव ,प्रवीण सिन्हा,अरविन्द अकेला,रंजना कुमारी,प्रसून श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव दीपक बलजोरी, चेतनश्रीवास्तव, रुद्रप्रताप लाल,जयंत मल्लिक, प्रियदर्शी हर्षवर्धन,नवीन कुमार सिन्हा,उमेश श्रीवास्तव,ललित कुमार सिन्हा,सुशांत सिन्हा।

आबकारी विभाग की अनदेखी और संरक्षण से शराब माफिया कर रहे है मनमा

बिना रेट लिस्ट शराब माफिया बेच रहे है खुलेआम शराब दुकानों से शराब

पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार करैरा
9399215234

शिवपुरी जिले के करेरा में शासकीय शराब दुकानों से दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे खुलेआम बेची जा रही है शराब।

गाँव गाँव मे शराब ठेकेदार की खुली कमीशन की अबैध कलारिया आबकारी उप निरीक्षक का शराब ठेकेदार को खुला संरक्षण

जितेंद्र परिहार पत्रकार नरवर जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश 00 शिवपुरी जिले में करेरा शराब दुकानों से खुलेआम अधिक कीमत मे शराब बेची जा रही है आखिर क्या बजह है की आबकारी बिभाग शराब माफियाओ की मनमानी पर नहीं लगा पा रहे है लगाम ऐसा आज नही बल्कि पूर्व के कई बर्षो से ऐसा होता चला आ रहा है इस संबंध मे कई बार शिकायते भी होती रही है लेकिन आबकारी उप नीरीक्षक की हटधर्मिता के चलते ऐसी प्रथा पर रोक नही लग पाई है और शराब ठेकेदार खुलेआम बिकबा रहा हे ध?ल्ले से अबैध शराब पुलिस फिक्स बिभाग सेट ठेकेदार फुल मस्त बेखौफ अब कौन रोकेगा क्युकी कमीशन के आगे सबका खुला संरक्षण क्या युही चलता रहेगा खुद बिभागीय अधिकारी ही बिभाग को खुलेआम लुटबा इहे हे शराब ठेकेदारो से गजब का सुशासन

शिवपुरी जिले करेरा में अंग्रेजी शराब दुकान पर बिक रही है अधिक कीमत मे खुलेआम शराब

अगर बात करे शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान की तो यहाँ खुलेआम शराब की बोतलो पर दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे शराब की बिक्री की जा रही है जब इसका बिरोध ग्राहकों के द्वारा किया जाता है तो उसे बिना माल दिये भगा दिया जाता है।

शिवपुरी मे शराब दुकानों और बार बार कहने के बाद भी नही लगाई शराब ठेकेदार द्वारा रेट लिस्ट?? आबकारी उप निरीक्षक नही समझते कारवाही करना आबश्यक

अगर शिवपुरी जिले स्थित शासकीय शराब दुकानो की बात करे तो यहाँ गांव शहर शहर जहाँ शराब ठेकेदार द्वारा कमीशन पर अबैध रूप से शराब दुकाने संचालित कराई जा रही है लेकिन सबसे चिंतनीय और चौकाने वाली बात यह है की शिवपुरी मे शासन द्वारा रजिस्टर्ड दुकानों पर बिना रेट लिस्ट के शराब की बिक्री शराब ठेकेदार द्वारा की जा रही है और जब इसका रेट लिस्ट के बारे मे किसी ग्राहक द्वारा शराब दुकान वालो से पूछा जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है की हम आबकारी बिभाग से बिना रेट लिस्ट शराब बिक्री की परमिशन लेकर काम कर रहे है अब बिना रेट लिस्ट शराब बिक्री की परमिशन आबकारी उप नीरीक्षक ने शराब ठेकेदार को कैसे दी ये चिंतनीय बिंदु है।

आबकारी उप निरीक्षक लोकल शिवपुरी से होने के चलते शराब ठेकेदारो को दे रहे है खुला संरक्षण इसीलिए नही करते कभी भी शराब ठेकेदारो पर कार्रवाही

अगर बात करे शिवपुरी आबकारी बिभाग मे पदस्थ आबकारी की तो यह करेरा लोकल के रहने वाले है और कई बर्षो से शिवपुरी आबकारी बिभाग मे सेबाए दे रहे है इनकी पदस्थी के दौरान शराब दुकानों पर जितना नियम बिरुद्ध कार्य हो रहा है वह पूर्व मे कभी नहीं हुआ शराब ठेकेदार की मनमानी और अंधेरगर्दी सर च?कर बोल रही है खुलेआम शाशकीय शराब दुकानों से बिना बिल और बिना रेट लिस्ट के दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे शराब की बिक्री की जा रही है लेकिन आज तक शराब ठेकेदार पर आबकारी उप निरीक्षक द्वारा कोई भी कार्रवाही नहीं की गयी।

शराब ठेकेदार ने खुलबा रखी हे गाँव गाँव मे कमीशन पर अबैध शराब दुकान- अगर पिछोर छेत्र अंतर्गत अबैध शराब बिक्री की बात करे तो ऐसा कोई गाँव नहीं है जहाँ शराब ठेकेदार ने अपनी कमीशन की अबैध दुकान संचालित कराकर न रखी हो पिछोर लोकल मे ही कई स्थानो पर कमीशन पर दारु रखबाकर शराब ठेकेदार खुलेआम बिकबा रहे है अबैध रूप से शराब लेकिन आबकारी बिभाग पिछोर **शराब ठेकेदार पर कार्रवाही की नहीं उठा पाता हिम्मत-** पुलिस पकड़ रही है शराब आबकारी बिभाग शिवपुरी जिले मे बिकबा रहा है खुलेआम शराब शिवपुरी जिले के छेत्रांतर्गत अबैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की पहल के लिए पुलिश् तो जरूर सक्रिय दिखाई देती है कभी कभी अबैध शराब बिक्री के केश भी बनाती रहती है लेकिन आबकारी पिछोर खुलेआम शराब की बिक्री करा रहा है जबकि यह जिम्मेदारी आबकारी बिभाग की है अगर आबकारी बिभाग समय समय पर नियमानुसार शराब दुकानों से शराब की बिक्री कराये और गाँव गाँव मे शराब ठेकेदार की बिक रहे अबैध शराब बंद कराये तो शासन के नियमानुसार शराब दुकानों से होने लगेगी शराब की बिक्री।

?? जिला आबकारी अधिकारी द्वारा शिवपुरी जिले मे हो रही शराब ठेकेदार की मनमानी पर पूर्व मे कई बार की गयी कार्रवाही लेकिन फिर भी आबकारी उप निरीक्षक नही देते ध्यान अगर शिवपुरी जिले मे शराब ठेकेदार की मनमानी पर कार्रवाही की बात करे तो जिला आबकारी अधिकारी द्वारा आमजन की शिकायतों पर हमेशा कार्रवाही की गयी लेकिन करैरा आबकारी उप नीरीक्षक द्वारा शराब ठेकेदार पर कार्रवाही नही की जाती और और तो और शराब ठेकेदार द्वारा की जा रही नियम बिरुद्ध शराब बिक्री पर लगातार हो रही हे बिभाग की छबी धूमिल जिला प्रशासन को चाहिए की औचक नीरीक्षण कर शराब दुकानों पर उचित कार्रवाही करे और करेरा छेत्र मे गाँव गाँव मे बिक रही शराब ठेकेदार की कमीशन की अबैध कलारियों को बंद कराकर नियमानुसार शराब की बिक्री कराई जाए।

छोटी सी उम्र में संभाला कारोबार, फ्रूटी को बना दिया 8 हजार करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रूटी का नाम आपने जरूर सुना होगा। कोका कोला और पेप्सी जैसी दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनियों के बीच फ्रूटी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसे बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो है। फ्रूटी आज बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के बीच काफी फेमस है, लेकिन एक समय था, जब इसे बनाने वाली पारले एग्रो का टर्नओवर सिर्फ 300 करोड़ रुपये का था। प्रकाश चौहान फ्रूटी बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो के फाउंडर और सीईओ हैं, बाद में उनकी बेटी नादिया चौहान ने ब्रांड मैनेजर के रूप में कंपनी जॉइन की और कंपनी का टर्नओवर 3 सौ करोड़ रुपये से 8 हजार करोड़ तक पहुंचा दिया। नादिया चौहान का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ, लेकिन उनका पालन-पोषण मुंबई में हुआ है। नादिया के पिता का नाम प्रकाश चौहान है जो पार्ले एग्रो के चेयरमैन थे।

नादिया की 2 बहनें और हैं जो उनसे बड़ी हैं। नादिया केवल 17 साल की थी जब उन्हें पारले एग्रो को ब्रांड मैनेजर की पोस्ट पर ज्वाइन किया। बिजनेस नादिया के खून में था और उन्होंने यह साबित भी किया। वह ब्रांड मैनेजर से चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और फिर जॉइंट डायरेक्टर तक के पद पर पहुंची।

साल 1984 में फ्रूटी को किया लॉन्च

फ्रूटी को 1984 में लॉन्च किया गया था। यह लोगों को काफी पसंद आई। लोगों ने इसे हाथों-हाथ लिया। पारले एग्रो देश में टेट्रा पैक लाने वाली पहली कंपनी थी। साल 2003 तक पारले एग्रो 300 करोड़ रुपये की कंपनी बन चुकी थी। साल 2003 में कंपनी के चेयरमैन प्रकाश जयंतीलाल चौहान की बेटी नादिया चौहान ने कंपनी की मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय उनकी उम्र मात्र 17 साल थी।

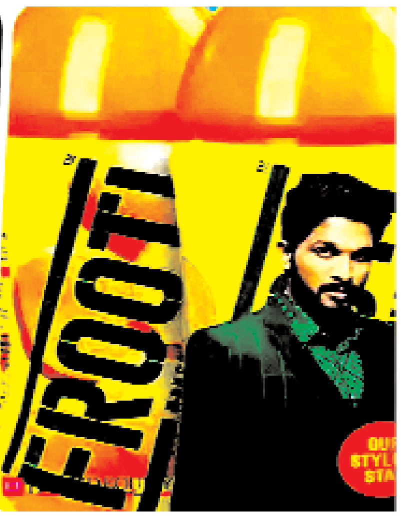

कारोबार को ऐसे पहुंचाया ऊंचाईयों पर

नादिया चौहान ने मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभालते ही सबसे पहले फ्रूटी की पैकेजिंग बदल दी। पहले फ्रूटी हरे रंग के पैकेट में आती थी, जबकि आम का रंग पीला होता है। साल 2004 में नादिया चौहान ने एक और बड़ा फैसला लिया। उन्होंने फ्रूटी का छोटा समोसा पैक लॉन्च किया। इसकी कीमत मात्र 2.5 रुपये थी। यह खासकर ग्रामीण इलाकों में काफी हिट रहा। इससे कंपनी की सेल में काफी इजाफा हुआ। पहले फ्रूटी बच्चों की ड्रिंक मानी जाती थी लेकिन नादिया चौहान ने इसे हर वर्ग की ड्रिंक बना दिया। उन्होंने शाहरूख खान से लेकर आलिया भट्ट और अल्लू अर्जुन को ब्रांड एंबेसेडर बनाया। कंपनी का 95 प्रतिशत रेवेन्यू फ्रूटी से आता था।

ऐसे बढ़ाया कंपनी का रेवेन्यू

नादिया ने देखा कि कंपनी केवल फ्रूटी पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है। अगर कुछ भी ऊपर-नीचे होता है तो कंपनी के पास कोई बैकअप नहीं है। इसलिए फ्रूटी से अलग अब कंपनी ने पीने का बोतल बंद पानी बेचने का फैसला लिया। इस तरह बेली की शुरुआत हुई। नादिया ने एक नई सॉफ्ट ड्रिंक पर भी दांव खेला। आम के बाद उन्होंने सेब से बनी ड्रिंक एपी फिज लॉन्च की। फिज को 2005 में लॉन्च किया गया था। फिज की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग सब अव्वल रही और ये प्रोडक्ट मार्केट ने हाथों-हाथ लिया। आज यह ड्रिंक बाजार में खुद को शानदार तरीके से स्थापित कर चुकी है।

चीनी कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से लग रहा डर, श्याओमी ने सरकार को लिखा पत्र

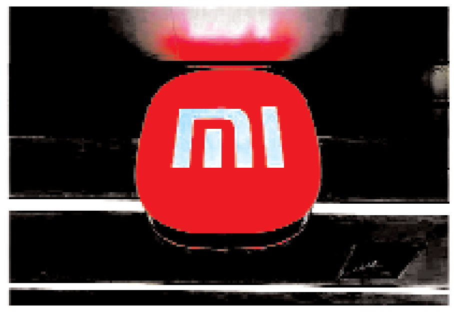

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी श्याओमी का कहना है कि सप्लायर्स को भारत में परिचालन शुरू करने में दिक्कतें आ रही हैं। कंपनी का कहना है कि चीन की कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से डर लग रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्याओमी ने इस संबंध में भारत सरकार को एक पत्र भेजा है। पत्र में कंपनी ने कहा है कि भारत में सरकार के द्वारा चीन की कंपनियों की हो रही जांच के कारण स्मार्टफोन के कंपोनेंट सप्लायर को यहां परिचालन शुरू करने में हिचक हो रही है।

श्याओमी ने 6 फरवरी को भेजे गए पत्र में भारत से विनिर्माण पर प्रोत्साहन देने और स्मार्टफोन के कुछ चुनिंदा कल-पुर्जों पर इम्पोर्ट टैरिफ कम करने की मांग की है। कंपनी का कहना है कि भारत सरकार को इन प्रोत्साहनों पर विचार करना चाहिए। कंपनी भारत सरकार के द्वारा मंगाए गए सुझावों पर प्रतिक्रिया दे रही थी। भारत सरकार ने कंपनी से पूछा था कि देश में कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। श्याओमी बाजार हिस्सेदारी के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी है। भारत के स्मार्टफोन बाजार में श्याओमी की 18 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी भारत में ही अपने फोन असेंबल करती है। श्याओमी अपने स्मार्टफोन में भारत में बने कंपोनेंट्स का भी इस्तेमाल करती है और चीन से भी कल-पुर्जों का आयात करती है। साल 2020 में भारत और चीन के बीच हिंसक सीमा विवाद के बाद चीन की कई कंपनियों के ऊपर भारत में सख्ती हुई है। भारत ने किस्तों में सैंकड़ों चाइनीज ऐप को भारत में प्रतिबंधित किया है। श्याओमी के ऊपर ही की गई कार्रवाई में उसकी 600 मिलियन डॉलर से ज्यादा की एसेट फ्रीज कर दी गई। एक अन्य स्मार्टफोन कंपनी वीवो के ऊपर भी पैसों के हेर-फेर का आरोप लगा है।

व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता लिमिटेड एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख व्यवसायों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले 9 से 12 महीने में पूरी होने की संभावना है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अगले करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन स्लेवेन ने कहा, ''हम एल्युमीनियम व्यवसाय के सफल विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

54 रुपए पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, एक साल में 430 प्रतिशत चढ़ा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह शेयर 47.38 रुपये पर बंद हुए थे। रिन्यूएबल एनर्जी के शेयर पिछले पांच दिनों में 5 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस साल वायटीडी में यह शेयर 25 प्रतिशत तक चढ़ा है। मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में तेजी आने की संभावना है। जेएम फाइनेंशियल ने इस शेयर पर 54 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है।

बता दें कि एनर्जी कंपनी को दिसंबर तिमाही में जबरदस्त मुनाफा हुआ है। दिसंबर तिमाही में सुजलॉन एनर्जी का नेट प्रॉफिट करीब 160 प्रतिशत बढ़ गया है और यह 203.04 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 78.28 करोड़ रुपये ही था। शानदार तिमाही नतीजों के बीच सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में आज तगड़ी तेजी देखने को मिली।

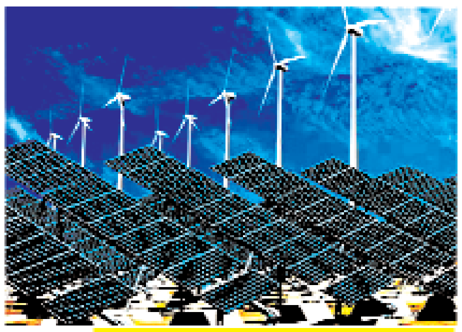

शेयरों के हाल

सुजलॉन एनर्जी के शेयर महीनेभर में 7 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। छह महीने में इसमें 140 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई है। इस दौरान इसकी कीमत 20 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 430 प्रतिशत तक चढ़ चुका है। इस दौरान इसका भाव 9 रुपये से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 50.72 और 52 वीक का लो प्राइस 6.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 64,332.97 करोड़ रुपये है।

ग्रे मार्केट में अभी से तूफानी तेजी, स्टील कंपनी का आ रहा आईपीओ, 13 फरवरी से दांव लगाने का मौक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह खबर काम की हो सकती है। दरअसल, इस सप्ताह एक स्टील कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड का है। निवेशक इस इश्यू में 13 फरवरी से 15 फरवरी तक दांव लगा सकेंगे। इसका प्राइस बैंड 141-151 रुपये प्रति शेयर है। यह पूरी तरह से 72 करोड़ रुपये का फ्रेश इक्विटी इश्यू है। ऑफर का लगभग 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों के लिए और बाकी के 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व है।

मार्केट जानकारों के मुताबिक, विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड आईपीओ ग्रे मार्केट में 130 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। यानी अपर प्राइस बैंड 151 रुपये के हिसाब से कंपनी के शेयर 281 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले ही दिन निवेशकों को 86.09 प्रतिशत तक का तगड़ा मुनाफा हो सकता है। बता दें कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग डेट 20 फरवरी है।

कंपनी का कारोबार

विभोर स्टील ट्यूब्स हल्के स्टील ईआरडब्ल्यू काले और गैल्वेनाइज्ड पाइप, खोखले स्टील पाइप, कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर) स्ट्रिप्स का निर्माता और निर्यातक है। कंपनी 2 दशकों से अधिक समय से कारोबार में है। विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड माइल्ड स्टील/कार्बन स्टील ईआरडब्ल्यू ब्लैक और गैल्वनाइज्ड पाइप, खोखले स्टील पाइप और कोल्ड-रोल्ड स्टील (सीआर) स्ट्रिप्स और कॉइल्स का मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर है। बता दें कि एक अप्रैल 2023 से विभोर स्टील ट्यूब्स ने जिंदल पाइप्स के साथ एग्रीमेंट को रिन्यू किया था। इसके तहत जिंदल पाइप्स और उसके कस्टमर्स को जिंदल स्टार ब्रांड के तहत तैयार माल की मेकिंग और सप्लाई की जाती है। कंपनी के प्रमोटर मेसर्स विजय कौशिक एचयूएफ, विभोर कौशिक, विजय लक्ष्मी कौशिक और विजय कौशिक हैं। प्रमोटरों के पास वर्तमान में कुल 1,32,46,500 इक्विटी शेयर हैं।

पेट्रोल-डीजल के रेट में 637वें दिन भी राहत, कच्चा तेल 81 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भी सबसे सस्ता पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये लीटर बिक रहा है तो सबसे महंगा राजस्थान के श्रीगंगानगर में। श्रीगंगानगर में पेट्रोल 113.44 और डीजल 98.20 रुपये लीटर है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन , भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने आज भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले 637 दिन से ईंधन के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईंधन की कीमतों पर लगाम छह अप्रैल, 2022 से लगी हुई है। कच्चा तेल एक बार फिर 80 डॉलर के पार पहुंच है। ब्लूमबर्ग एनर्जी के मुताबिक ब्रेंट क्रूड का अप्रैल वायदा

81.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई का मार्च वायदा 76.46 डॉलर प्रति बैरल पर है। बता दें रूस-यूक्रेन युद्ध के समय क्रूड की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं थी, तब भी भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे।

कहां कितना सस्ता या महंगा है पेट्रोल

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये लीटर है। यह देश में सबसे महंगे पेट्रोल से 16.87 रुपये सस्ता है। लखनऊ में डीजल 89.76 रुपये लीटर है। आगरा में पेट्रोल 96.20 रुपये लीटर और डीजल 89.37 रुपये बिक रहा है। मेरठ में पेट्रोल 96.31 रुपये और डीजल 89.49 रुपये लीटर है। वाराणसी में पेट्रोल 97.49 रुपये और डीजल 90.67 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये है तो डीजल 94.27 रुपये लीटर है। यहां पेट्रोल श्रीगंगानगर की तुलना में 7.13 रुपये सस्ता है तो डीजल करीब चार रुपये कम रेट पर मिल रहा है। नागपुर में पेट्रोल 106.04 और डीजल 92.59 रुपये लीटर है। अहमदाबाद में पेट्रोल 96.42 रुपये तो डीजल 92.17 रुपये लीटर है। इंदौर में पेट्रोल 108.67 रुपये और डीजल 93.95 रुपये लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये लीटर है तो डीजल की कीमत 93.72 रुपये है।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता है। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। बाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

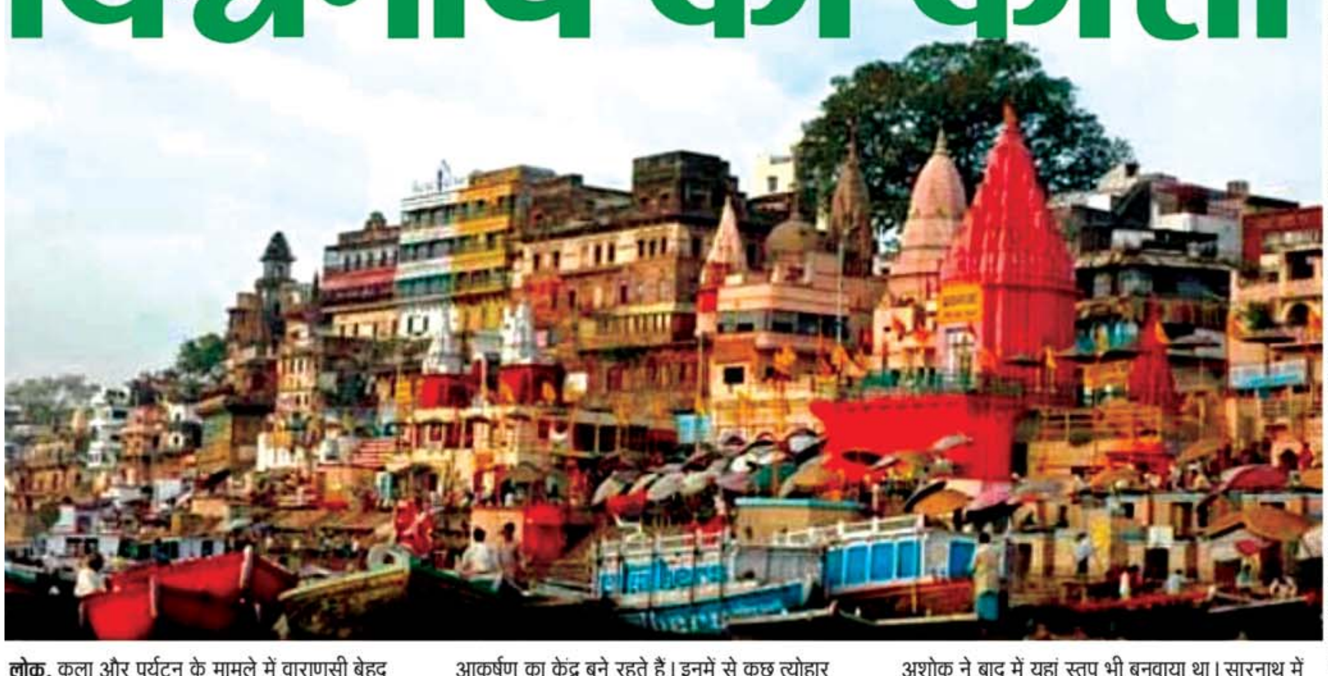

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्रांट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के

जयारोग्य हॉस्पीटल के ट्रोमा सेंटर में मनाया गया ओरल एंड मैक्सिलोफ़ेशियल डे

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-13 फ़रवरी 2024 को ग्वालियर के जयारोग्य हॉस्पीटल के ट्रोमा सेंटर में मैक्सिलोफ़ेशियल डे मनाया गया।यह दिवस डेंटल डिपार्टमेंट एवं ट्रोमा सेंटर में कार्यरत ओरल सर्जन के द्वारा डीन डॉ.अक्षय निगम,सुपरिटेंडेंट डॉ.आर के एस धाकड़,एच ओ डी डेंटल डॉ.योगेन्द्र पहारिया एवं अन्य सीनियर फ़ैकल्टी की उपस्थिति में मनाया गया।इस दौरान डीन ने रोड पर ड्राइविंग की सुरक्षा के बारे में बताया एवम सुपरिटेंडेंट ने मैक्सिलोफ़ेशियल सर्जन को बधाई दी।इस दौरान डॉ.के आर खड़े,डॉ.कनिष्क गुरु,डॉ.अभिषेक पाठक ,डॉ.आशीष माहेश्वरी,डॉ.ध्रुव माथुर डॉ. पीयूष सिकरवार,डॉ.अक्षय छारी,डॉ.गुंजन जैन आदि मौजूद रहे।

78 साल की वृद्धा की कलेक्टर से गुहार-बेटा मुझे मार देगा, पुलिस थाना कहता है बेटे को लाओ

ग्वालियर। कलेक्टर की हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में 78 साल की वृद्धा ने गुहार लगाई है। वृद्धा की पीड़ा है कि बेटा सालों से परेशान कर रहा है और हत्या तक करने पर आमादा है। छोटे बेटे पर तलवार से हमला किया और जब हजीरा थाने में शिकायत करने गई तो थाना स्टाफ ने कहा कि पहले तलवार मारने वाले बेटे को लेकर आओ।वृद्धा ने प्रताड़ित व हमला करने वाले बेटे व पत्नी को घर से निकालकर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस से मांग की है कि वह बेटे को समझाए कि वह वृद्धा की हत्या का विचार त्याग दे।

की कलेक्टर से गुहार-बेटा मुझे मार देगा, पुलिस थाना कहता है बेटे को लाओ

वृद्धा हरकोबाई निवासी इन्द्रानगर डिब्बे वाली गली, चार शहर का नाका ने आवेदन में बताया कि बेटा बृजमोहन (मोहन) पत्नि सहित 2014 से लगातार परेशान कर रहा है ,जान से मारने की धमकी देता है

एक बार इस कदर से मारा की बच्चेदानी खिसक गई और बड़े पुत्र लालाराम ने इलाज कराया।मोहन ने राकेश को घुटने के पीछे तलवार मार दी और दूसरे पैर के अंगूठे और अंगुलियों में भी तलवार मारी, यदि धार होती तो पुत्र राकेश की हत्या हो जाती। हरको बाई ने लिखा कि मैं इन सब घटनाओं से बेहद भयभीत और दुखी हूं पुत्र मोहन को परिवार सहित मेरे मकान से खाली कराया जाए।

बड़ागांव जागीर में अवैध कार्यों की शिकायत-ग्राम पंचायत बड़ागांव जागीर मोहना के जनपद सदस्य बीरबल,सरपंच बहादुर सिंह, रामेश्वर धाकड़ सहित अन्य ने जनसुनवाई में शिकायत की। शिकायत में बताया कि

ग्राम के निवासी व पूर्व सरपंच आनंद शर्मा दबंग व्यक्ति होकर पूरे ग्राम व ग्राम पंचायत में अवैध कार्य एवं गतिविधियों को स्वयं करते हैं व अपने लोगों से कराते रहते हैं। आनंद शर्मा द्वारा ग्राम बड़ागांव जागीर के सार्वजानिक मुरली मनोहर (ठाकुर जी) के मंदिर से लगी हुई लगभग 30 बीघा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है एवं उससे प्राप्त फसलों को स्वयं के उपयोग में लेते हैं व मंदिर में पूजा व उत्सव आदि नहीं करते हैं तथा मंदिर में त्यौहार व उत्सवों के दिन ताला डालकर बंद कर देता है।ग्राम पंचायत में स्थित पत्थर की खदानों से अवैध रूप से पत्थर का खनन किया जा रहा है तथा शिकायत करने एवं अवैध कार्य रोकने पर राजनीतिक प्रभाव दिखाकर लोगों को धमकाता रहता है।

जान का खतरा बता कर एसपी आफिस पहुंचा युवक , हेलमेट पहनकर दर्ज करवाई शिकायत

ग्वालियर । आपसी विवाद का खौफ किस कदर किसी को डरा सकता है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मंगलवार को एसपी आफिस में देखने मिला। अपने ही पड़ोसी से खतरा मानकर एक व्यक्ति इतना खौफ में है कि अपनी जान बचाने के लिए घर से हेलमेट लगाकर निकल रहा है।दरअसल मामला गिरवाई थाना क्षेत्र के 12 बीघा सिकंदर कंपू इलाके का है। जहां राहुल सिंह परमार नामक युवक आटा चक्की चलाता है। वहीं पास में रहने वाले गौरव खटीक नाम के एक युवक ने बहन की शादी का कह कर 5 हजार रुपये का आटा उधार लिया था। जिसके पैसे बाद में चुकाने की बात भी कही थी ।जब राहुल सिंह ने जब उसे पहली बार पैसे मांगे तो वह उसे जान से मारने की धमकी देकर चला गया लेकिन जब दूसरी बार पैसे का कहा तो बदमाश गौरव खटीक ने राहुल के हाथ को अपने मुंह से काट लिया जिससे वह लहूलुहान हो गया।इतना ही नहीं गौरव ने राहुल को धमकी भी दी कि अगली बार उधारी के रुपये मांगे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। अगला हमला सिर पर होगा। युवक इतना खौफ में है कि अब वो जब भी घर से निकलता है तो हेलमेट लगाकर ही निकलता है। यहां तक कि ग्वालियर एसपी से शिकायत करने जब राहुल पहुंचा तब भी वह हेलमेट उतारने राजी नहीं हुआ।

फिल्मी स्टाइल में प्रेमी युगल के पीछे कार घुसाने वाले पिता की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने कहा ' तुम तो परिसर में ही गुंडागर्दी करते हो'

ग्वालियर। बीते दिनों विशेष चर्चा में रहे हाईकोर्ट में प्रेमी युगल के पीछे कार घुसाने के मामले में युवती के पिता ने हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ मे युगलपीठ के समक्ष बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की । जिसे सुनवाई के बाद युगलपीठ के जस्टिस रोहित आर्या ने यह कह कर खारिज कर दिया कि तुम बेटी की कस्टडी को अवैध बता रहे हो तुम तो खुद ही हाईकोर्ट परिसर में गुंडागर्दी करते घूमते हो ।सुनवाई के दौरान युवती के पिता ने हाईकोर्ट के सामने याचिका लगाते हुए कहा कि उसकी बेटी को एक युवक (उसका प्रेमी ,जिससे शादी करना चाहती है) ने अवैध तरीके से अपनी कस्टडी में रखा हुआ है। इस पर आपत्ति दर्ज करवाते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश शुक्ला ने हाईकोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि युवती की मिसिंग रिपोर्ट झांसी थाने में दर्ज करवाई गई है जो हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के क्षेत्राधिकार से बाहर है। इस हिसाब से याचिका यहां लगाने का अर्थ नहीं बनता । इस पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले में युवक शिवम धाकड़ ग्राम

खुर्जा जिला भिंड और युवती प्रियल गुप्ता इंदरगढ़, जिला दतिया निवासी है और बीते छह साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा है। दरअसल शिवम दतिया में रह कर पढ़ाई करता था और इसी बीच उसकी पहचान प्रियल से हुई और दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। जब छह साल का समय देने के बाद शादी की प्रस्ताव युवती ने अपने घर में स्वजन के सामने रखा तो उसके स्वजन ने उससे जमकर मारपीट की। जब कैसे भी शादी होती नहीं दिखी तो दोनों ने घर से भागकर शादी करने का फैसला किया। इसके लिए 28 जनवरी को दोनों घर से भागे, ग्वालियर आकर कोर्ट मैरिज करने के लिए अदालत पहुंचे, जब दस्तावेजी कार्रवाई करने और पुलिस सुरक्षा की मांग को लेकर वह हाईकोर्ट जा रहे थे तभी किसी ने युवती के स्वजन को मुखबिरी दे दी। इसके बाद वह युवक-युवती का पीछा करते हाईकोर्ट जा पहुंचे।इस मामले में सुरक्षा की मांग को लेकर प्रेमी युगल हाईकोर्ट पहुंचे थे , जिस पर हाईकोर्ट ने सुरक्षा से पहले शादी करने की शर्त रखते हुए दोनों को निर्देशित किया कि 14 फरवरी को बसंत पंचमी के मौके पर दोनों लोग शादी कर लो उसके बाद सुरक्षा मुहैया करवाई जाएगी । इस कारण से ही कोर्ट ने इनकी सुरक्षा की मांग की याचिका की सुनवाई को 15 फरवरी के लिए तय किया है। यानि युगल पहले 14 फरवरी को शादी करेंगे फिर 15 फरवरी को कोर्ट में पेश होंगे।

ग्वालियर-चंबल अंचल के कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी की संभावना

ग्वालियर। बसंत पंचमी पर ग्वालियर चंबल अंचल के कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हो सकती है।क्योंकि आज से मौसम में भी परिवर्तन दर्ज होने लगेगा। अब ना तो कोहरा रहेगा और ना ही ठंडी हवाएं सताएंगी। क्योंकि आज से गर्मी बढ़ने लगेगी और दिन व रात का तापमान भी बढ़ने लगेगा।बुधवार को वर्षा के कारण दिन के तापमान में कमी आ सकती है, लेकिन इसके बाद ठंड कम होने लगेगी हालांकि अगले दो दिन बाद फिर एक बार आसमान में बादल अपना डेरा जमा सकते हैं, लेकिन वर्षा के कोई आसार नहीं बन रहे है।मंगलवार को आसमान में बादलों ने अपना डेरा सुबह सुबह ही जमा लिया था।दोपहर में धूप की चमक ने पारा बढ़ा दिया। जिसके कारण अधिकतम तापमान मंगलवार को एक डिग्री बढ़ गया। आसमान में बादल रहने से रात के तापमान में भी 2.9 डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। जिसके कारण मंगलवार के दिन का मौसम मिला जुला सर्द गरम का रहा।आसमान में जब बादल रहे तब ठंडक महसूस हुई और जब धूप खिली तो गर्मी का अहसास हुआ। मौसम वैज्ञानिक हुकुम सिंह का कहना है कि आसमान में डेरा जमाए बादल ग्वालियर चंबल अंचल में बुधवार 14 फरवरी को बूंदाबांदी करा सकते हैं। जिससे वातावरण में ठंडक बढ़ेगी।इसके बाद दो दिन मौसम साफ रहेगा और उसके बाद फिर एक बार आसमान में बादल आ सकते है।मंगलवार की सुबह आसमान में बादल देख एक बार लगा कि वर्षा के आसार बन सकते हैं। लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही बादल भी छटते गए और धूप खिलने लगी।दिन में कभी बादल से ठंडक का अहसास होता तो कभी धूप खिलने से गर्मी लगती।लेकिन सुबह के समय कोहरा मध्यम रहने से दृश्यता 1500 मीटर रही। अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री दर्ज किया किया। जबकि हवा में सुबह के समय में नमी 93 फीसद और दोपहर 58 फीसद दर्ज की गई और हवा की रफ्तार सामान्य रही।

मध्य प्रदेश में कोविड बाल योजना में शामिल बच्चों को 10 महीने से नहीं मिली किस्त

ग्वालियर। आर्थिक तंगहाली का असर योजनाओं पर दिखने लगा है। कोविड के दौरान जिन बच्चों के मां-बाप या इनमें से कोई एक नहीं रहा, उनकी आर्थिक सहायता के लिए आरंभ की गई दो योजनाओं के सामने बजट का संकट है। हालत यह है कि किसी योजना में अप्रैल तो किसी में अक्टूबर के बाद से बच्चों को किस्त नहीं मिली है।बाल आशीर्वाद योजना में पांच हजार रुपये, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में चार हजार रुपये मासिक और स्पांसरशिप में बेसहारा बच्चों को पालने के लिए चार हजार मासिक दिए जाने का प्रविधान है। इन योजनाओं के तहत ग्वालियर से करीब 50 हितग्राहियों का चयन किया गया था। इस लेटलतीफी का असर प्रदेश की इन योजनाओं का लाभ ले रहे 10 हजार से ज्यादा लाभार्थियों पर है।बता दें कि कोरोना संक्रमण के दौरान कई लोग इसका शिकार हुए थे जिसमें कई

परिवार बिखरे तो बच्चों के सिर से माता पिता का साया उठ गया। प्रदेश सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री बाल कोविड योजना शुरू की, जिसमें कोरोना वायरस के कारण अपने माता पिता खो चुके बच्चों को मदद दिए जाने के प्रविधान किए गए।इस योजना में बच्चों को पांच हजार रुपये की मासिक किस्त और पढ़ाई की निश्शुल्क व्यवस्था के साथ निश्शुल्क खाद्यान्न देना भी शामिल किया गया। इस योजना में प्रदेशभर के ऐसे बच्चों को चिह्नित कर आवेदन लिए गए। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना शुरू की जिसमें कोविड के अलावा भी जो विभिन्न कारणों से बच्चे बेसहारा हुए उन्हें शामिल किया गया। सीएम बाल कोविड में अप्रैल से तो बाल आर्शीवाद में अक्टूबर से किस्त देने के लिए धन नहीं है।

सात घंटे चला आपरेशन, मरीज पेट से निकालीं 2.5 किलो वजन की गठान

ग्वालियर.। दस साल से पेट की बीमारी से ग्रसित मरीज के पेट का आपरेशन कर गैस्ट्रोसर्जन ने 2.5 किलो की गठान निकालीं। जयारोग्य समूह के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोसर्जन डा. आशीष श्रीवास्तम और उनकी टीम ने सात घंटे यह जटिल आपरेशन किया। 2.5 किलो की गठान निकालकर मरीज को डाक्टरों ने बीमारी से निजात दिलाया।

अशोक नगर निवासी महेन्द्र सिंह लोधी को लिवर हाइडेटिड सिस्ट की बीमारी दस साल से परेशान कर रही थी। समय के साथ बीमारी बढ़ती जा रही थी। बीमारी के कारण महेन्द्र के पेट में बहुत सारी गठानें समय के साथ बनती चली गई। इनका आकार भी बढ़ा होता गया, जो जानलेवा भी हो सकता था। लेकिन सुपरस्पेशलिटी के चिकित्सकों ने इस बीमारी का सफल आपरेशन कर मरीज की जान बचा ली।

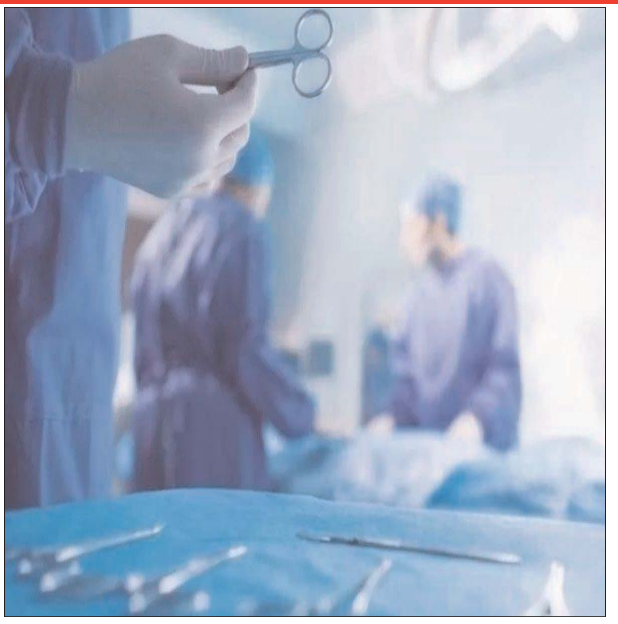

जांच से पता चली बीमारी-लिवर हाइडेटिड सिस्ट बीमारी से पीड़ित मरीज सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की ओपीडी में पहुंचा था। चिकित्सक ने जब जांच कराई तो इस बीमारी का पता चला। बीमारी का पता चलने पर उसे भर्ती कर लिया गया और ऑपरेशन किया। करीब सात घंटे चले आपरेशन के बाद डाक्टरों ने गठान निकाल लीं। मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है। डा. श्रीवास्तव ने बताया कि हाइडेटिड सिस्ट रोग, परजीवी संक्रमण के कारण होता है जो ज्यादातर लिवर में ही होता है। साथ ही यह हमारे शरीर में किडनी, पेन्क्रियाज, फेफड़ों इत्यादि में भी हो सकता है। यह एक पानी की गांठ होती है जो यदि फट जाए तो मृत्यु की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है क्योंकि इससे पूरे शरीर में संक्रमण फैल जाता है।

चोरी कर रहा था चोर, मकान मालिक की नजर पड़ी तो छत से कूदा, घायल

ग्वालियर,। बहोड़ापुर के लक्ष्मण तलैया इलाके में रहने वाले अरुण बाथम के घर बीती रात चोर घुस गया। चोर ने उनके घर की अलमारी खोली और सामान चोरी कर रहा था। तभी आहट सुनकर अरुण की नींद टूट गई। वह भागकर बाहर की तरफ गए तो चोर ने उन्हें देखकर दौड़ लगा दी। वह नशे में था। उसका पैर फिसला और वह छत से नीचे जा गिरा। वह घायल हो गया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस उसे अस्पताल ले गई।

लोडिंग में बदमाशों ने लगाई आग- खेड़ापति मोहल्ले में रहने वाले प्रशांत वर्मा लोडिंग चलाते हैं। बीती रात लोडिंग घर के बाहर खड़ी थी। उनकी लोडिंग में बदमाशों ने आग लगा दी। आग की लपटें देखकर वह बाहर भागे। जब तक पानी फेंककर आग बुझाई लोडिंग जलकर खाक हो चुकी थी।

नौगजा रोड पर काटे वाहन धुलाई सेंटरों के कनेक्शन-ौगजा रोड पर नगर निगम के पीएचइ अमले ने सोमवार को अवैध रूप से संचालित नौ वाहन धुलाई सेंटरों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की। इसके साथ ही उन्हें पानी की बर्बादी न करने की भी समझाइश दी गई। इसके अलावा पीएचइ के अमले ने जेसी मिल क्षेत्र के नागरिकों को जलकर जमा करने के लिए जागरूक किया, ताकि वे नल कनेक्शन काटने की असुविधा से बच सकें। इसके साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए 14 फरवरी को लाइन नंबर एक में जलकर जमा करने के लिए शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना-स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत शहर में गंदगी फैलाने व डस्टबिन का उपयोग न करने वालों के खिलाफ नगर निगम द्वारा अभियान चलाकर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई कर 19450 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान के निर्देशन में छह नंबर चौराहा मुरार में दुकानों के सामने गंदगी फैलाने एवं अमानक पालीथिन का उपयोग करने पर आठ हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478